शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 294 | गुवाहाटी | रविवार, 31 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बंगाल में निजी अस्पतालों के 15 प्रतिशत बिस्तर गरीबों के लिए होंगे आरक्षित : सीएम पेज 2
राज्य में यूसीसी लागू होने की राह साफ, सामाजिक और कानूनी व्यवस्था... पेज 3
राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा लखनऊ : रक्षा मंत्री राजनाथ पेज 5
फ्रेंच ओपन में बड़ा उलटफेर : 19 वर्षीय जोआओ फोन्सेका ने नोवाक... पेज 7

प्रधानमंत्री से मिले मुख्यमंत्री

एनडीए 3.0 के एजेंडे की डॉ. शर्मा ने दी जानकारी

मंत्रिमंडल विस्तार के लिए हो रहा राज्यपाल की वापसी का इंतजार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास पर शिष्टाचार भेंट के साथ राष्ट्रीय राजधानी की अपनी चार दिवसीय यात्रा की शुरुआत की। अपने लगातार दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से प्रधानमंत्री के साथ यह उनकी पहली औपचारिक मुलाकात है। यह चर्चा असम में नवगठित एनडीए 3.0 सरकार की शुरुआती उपलब्धियों और प्राथमिकताओं के इर्द-गिर्द केंद्रित थी। बैठक के बाद सोशल मीडिया पर शर्मा ने कहा कि उन्होंने मोदी को सरकार द्वारा हासिल की जा रही शुरुआती बढ़त के बारे में जानकारी दी, प्रधानमंत्री को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और आने वाले वर्षों में उनके निरंतर आशीर्वाद और मार्गदर्शन की कामना की। -शेष पृष्ठ दो पर

21 जून को नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा

राज्य ने 17 जिलों के 88 केंद्रों को अलर्ट पर रखा है

गुवाहाटी। भारत की मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया पर नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक विवाद का साया मंडरा रहा है, ऐसे में असम ने शनिवार को 21 जून को राज्य भर में होने वाली पुनर्परीक्षा की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। राज्य स्तरीय समीक्षा की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिकारियों और असम के पुलिस महानिदेशक ने संयुक्त रूप से की, जिसमें सभी उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से परीक्षा के लिए जिलेवार तैयारियों का आकलन किया गया। मुख्य सचिव रवि कोटा के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के निर्देशों और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप समीक्षा की गई। इसमें आगे कहा गया कि एक सुरक्षित, पारदर्शी और छात्र-हितैषी परीक्षा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। यह पुनर्परीक्षा 17 परीक्षा जिलों में फैले 88 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसमें अकेले असम में 43,000 से अधिक उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों की तैयारी, सुरक्षा तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली, बिजली बैकअप सुविधाएं, उम्मीदवारों के लिए परिवहन सहायता और अंतर-एजेंसी समन्वय सहित कई प्रकार के तैयारी उपायों की समीक्षा की। जिला प्रशासनों को दोहरी तलाशी प्रक्रिया को सख्ती से लागू करने और गोपनीय परीक्षा सामग्री की सुरक्षित देखरेख और परिवहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकी फंडिंग : तिनसुकिया में पत्रकार समेत तीन गिरफ्तार

दूमदूमा। तिनसुकिया जिले में आतंकी वित्तपोषण मामले की जांच, जिसके परिणामस्वरूप पहले ही कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, ने एक नया मोड़ ले लिया है, जब पुलिस ने पूर्वोत्तर और क्षेत्र के बाहर सक्रिय आतंकवादी नेटवर्क के साथ कथित संबंधों की जांच करते हुए एक पत्रकार सहित तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। तिनसुकिया के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मृण्मॉय दास ने बताया कि तिनसुकिया पुलिस ने कथित उग्रवादी वित्तपोषण और समर्थन गतिविधियों से संबंधित मामले की जांच जारी रखते हुए पत्रकार हिरणमय मोरन को गिरफ्तार किया है और इस मामले में उत्तर प्रदेश से -शेष पृष्ठ दो पर

मानस और पबितरा में एक लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे, वन पर्यटन को मिली नई उड़ान : सीएम

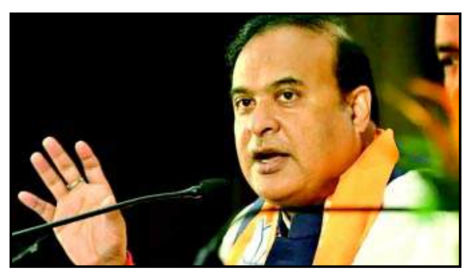

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में वन्यजीव पर्यटन को नई गति मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि राज्य के प्रमुख संरक्षित वन क्षेत्रों मानस राष्ट्रीय उद्यान और पबितरा वन्यजीव अभयारण्य में एक लाख से अधिक पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया है, जो राज्य के पर्यटन और संरक्षण प्रयासों की बड़ी सफलता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि बेहतर पर्यटन सुविधाओं, मजबूत संपर्क व्यवस्था और वन्यजीव संरक्षण के लिए किए गए निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल असम पर्यटन को नई पहचान मिली है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और आजीविका के अवसरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय युवाओं, पर्यटक गाइडों, वाहन चालकों, होमस्टे संचालकों और छोटे व्यवसायियों को नए अवसर प्राप्त हुए हैं। इससे स्थानीय -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

गुवाहाटी वासियों को कचरा संग्रह के लिए अब देना होगा 30 रुपए मासिक शुल्क

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा शहर की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) ने घर-घर से कचरा संग्रहण के लिए पुन: शुल्क लागू करने का निर्णय लिया है। इसकी घोषणा शनिवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में नगर निगम के महापौर मृगेन शरणिया ने की। संवाददाता सम्मेलन में महापौर मृगेन शरणिया के साथ निगम आयुक्त चिन्मय प्रकाश फूकन और अधिकारी स्मिता रॉय भी उपस्थित थीं। महापौर ने बताया कि अब गुवाहाटी के प्रत्येक परिवार को कचरा संग्रहण सेवा के लिए प्रतिमाह 30 रुपए शुल्क देना होगा। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले तक यह सेवा नि:शुल्क प्रदान की जा रही थी। महापौर ने कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और कचरा प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने नागरिकों से भी शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। शहर के सौंदर्यीकरण अभियान के -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में अभिषेक बनर्जी से मारपीट, अंडे-जूते फेंके, शर्ट फाड़ी, चोर-चोर के लगाए नारे

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिलने दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार को विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अंडे और जूते फेंके तथा कथित तौर पर धक्का-मुक्की की भी खबरें सामने आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोनारपुर में प्रवेश के दौरान अभिषेक बनर्जी चारपहिया वाहन छोड़कर मोटरसाइकिल से आगे बढ़ रहे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

ममता का भाजपा पर आरोप, कहा- शासक ही हत्यारे बन गए

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले की निंदा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

बहुत-सी तथा बड़ी गलतियां किए बिना कोई आदमी बड़ा और महान नहीं बनता।

-ग्लेडस्टन

न्यूज गैलरी

तमिलनाडु में असम के मजदूर को भीड़ ने पीटकर मार डाला

चेन्नई। महिला से कथित दुर्व्यवहार पर तिरुवल्लूर जिले में भीड़ ने असम के एक प्रवासी मजदूर को पीटकर मार डाला। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान प्रोसेनजीत दास (35) के रूप में हुई है, जो असम के छह मजदूरों के साथ रोजगार की तलाश में तिरुवल्लूर आया था -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश नौ गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने -शेष पृष्ठ दो पर

उग्रवादी हमले के विरोध में मणिपुर में ट्रक सेवाएं ठप

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में एक ट्रक चालक की उग्रवादी हमले में मौत के विरोध में शनिवार को सैकड़ों ट्रक चालकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (इंफाल-जिरीबाम मार्ग) पर परिवहन सेवाएं ठप कर दीं। प्रदर्शनकारी चालकों ने राज्य के प्रमुख राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और व्यावसायिक वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन 29 मई को इंफाल-उखरूल मार्ग के टीएम कासोम क्षेत्र में हुए सशस्त्र हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें पश्चिम बंगाल के एक ट्रक चालक की मौत हो गई थी। -शेष पृष्ठ दो पर

डीके शिवकुमार होंगे कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री, 3 जून को लेंगे शपथ

बेंगलुरु (हि.स.)। कर्नाटक में शनिवार को वरिष्ठ नेता डी.के. शिवकुमार को कांग्रेस विधायक दल ने अपना नेता चुन लिया है। अब वह राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। शिवकुमार 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने बेंगलुरु में आयोजित कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक के बाद इसकी औपचारिक घोषणा की। उन्होंने बताया कि विधायक दल की बैठक में कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने डी.के. शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर ने किया। इसके बाद उपस्थित सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से शिवकुमार के नाम पर अपनी सहमति जताई। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार, -शेष पृष्ठ दो पर

साकेत में गिरी पांच मंजिला इमारत कई लोगों के दबे होने की आशंका

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत इलाके में दर्दनाक हादसा हो गया। एक पांच मंजिला इमारत अचानक भरभरा कर गिर गई। हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर मौजूद रेस्क्यू टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी है। अब तक चार से पांच लोगों को बाहर निकाला गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह हादसा आचनक हुआ जिससे कई लोग मलबे में दब गए हैं। घटनास्थल पर पुलिस के कई अधिकारी मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक, -शेष पृष्ठ दो पर

विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त पर अन्नाद्रमुक ने राज्यपाल से की सीबीआई जांच की मांग

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त (हॉर्स ट्रेडिंग) को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। प्रमुख विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने सत्तारूढ़ तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) पर गंभीर आरोप लगाते हुए राज्यपाल से मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को चेन्नई के गिंडी स्थित राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कथित हॉर्स ट्रेडिंग की निष्पक्ष जांच, राज्य के मुख्य सचिव और विधानसभा सचिव से रिपोर्ट तलब करने तथा पूरे मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल में अन्नाद्रमुक विधायक एग्री कृष्णमूर्ति, राज्यसभा सदस्य एम. थंबीदुरई, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धनपाल समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। अन्नाद्रमुक के नेताओं का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में सैन्य अभ्यास *प्रगति 2026* का सफल समापन

13 देशों के 400 से अधिक सैनिकों ने लिया भाग

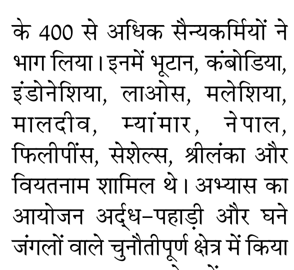

शिलांग (हि.स.)। मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में आयोजित बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास *प्रगति 2026* का सफलतापूर्वक समापन हो गया। 72 घंटे तक चले व्यापक सत्यापन अभ्यास के साथ संपन्न इस आयोजन ने सहभागी देशों की सेनाओं के बीच आपसी समन्वय, विश्वास और सामूहिक सैन्य तैयारी को नई मजबूती प्रदान की। पार्टनरशिप ऑफ रीजनल आर्मीज फॉर ग्रोथ एंड ट्रांसफॉर्मेशन इन द इंडियन ओशन रीजन (प्रगति) के तहत आयोजित इस अभ्यास में भारत सहित 13 देशों के 400 से अधिक सैन्यकर्मियों ने भाग लिया। इनमें भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम शामिल थे। अभ्यास का आयोजन अर्द्ध-पहाड़ी और घने जंगलों वाले चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में किया गया। समापन समारोह में छह उप सेना प्रमुखों समेत 40 से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया। भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने विदेशी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

बंगाल में निजी अस्पतालों के 15 प्रतिशत बिस्तर गरीबों के लिए होंगे आरक्षित : सीएम

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के उद्देश्य से राज्य के सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में कम से कम 15 प्रतिशत बिस्तर जरूरतमंद मरीजों के लिए आरक्षित रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा शनिवार को साल्ट लेक स्थित बिधाननगर उपमंडलीय अस्पताल में किशोरियों के लिए नि:शुल्क मानव पैपिलोमा विषाणु (एचपीवी) टीकाकरण कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में आरक्षित किए जाने वाले ये बिस्तर गरीब मरीजों के नि:शुल्क उपचार तथा उन परिस्थितियों में उपयोग किए जाएंगे, जब सरकारी अस्पतालों में बिस्तर उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत 527 करोड़ प्राप्त हुए हैं, जबकि आयुष्मान भारत योजना के लिए अतिरिक्त 976 करोड़ आवंटित किए गए हैं। इस योजना के तहत राज्य के लगभग 1.36 करोड़ परिवारों को नकदरहित उपचार की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के लाभार्थी देशभर के सभी एम्स और अन्य सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचार प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, दूसरे राज्यों में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों को भी इस योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा ताकि उन्हें कार्यस्थल पर भी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए संचालित स्वास्थ्य इकाइयों का नाम बदलकर *आयुष्मान मंदिर* रखने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ दवाओं की लागत कम करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि खुले बाजार में 1000 रुपए तक की दवाएं जन औषधि केंद्रों पर लगभग 100 रुपए में उपलब्ध हो सकती हैं। वर्तमान में राज्य में 767 जन औषधि केंद्र संचालित हैं, जहां कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों की जेनेरिक दवाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही से बच रही सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों के बाद केंद्र सरकार को घेरा। खेड़ा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्चतम न्यायालय को सरकार को यह बताना पड़ रहा है कि उसे वही करना चाहिए जो उसकी जिम्मेदारी है। खेड़ा ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि सरकार जवाबदेही से बच रही है और सरकार निगरानी करने की बात कहकर स्थिति को मजाक बना रही है। लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है और कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शिक्षा मंत्री जवाबदेह हैं। अब जब कहा जा रहा है कि प्रश्नपत्र वायुसेना ले जाएगी तो अगर फिर लीक हुआ तो क्या रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जिम्मेदार होंगे। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कहा कि जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, ऐसी घटनाएं रुकेंगी नहीं।

फार्मर रजिस्ट्री में लापरवाही : 103 कर्मियों पर कार्रवाई

नालंदा, बिहारशरीफ (हिंस)। नालंदा जिले में फार्मर रजिस्ट्री करने के राजस्व कर्मियों के द्वारा आनाकानी के साथ साथ अवैध राशि मांगने की शिकायत पर नालंदा जिले के जिला कृषि पदाधिकारी ने 103 राजस्व कर्मियों पर कार्रवाई की गई है। जिसमें वेतन बंद और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला कृषि पदाधिकारी नितेश कुमार ने बताया कि जिले में 196783 किसानो को फार्मर रजिस्ट्रीकरण किया जाना है पर अभी तक मात्र 12 हजार किसान को ही रजिस्ट्रेशन किया गया है जो जिले में सबसे कम उपलब्धि है।

छिपाझार में गणेश होटल में भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर राख

दरंग (हिंस)। असम के दरंग जिले के छिपाझार क्षेत्र के बरदौलगुड़ी स्थित गणेश होटल में शुक्रवार देर रात भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की इस घटना में होटल के भीतर मौजूद सभी साज-सामान जलकर राख हो गए, जिससे भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात अचानक होटल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई देने लगे, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के कारण होटल को बचाया नहीं जा सका। आग ने कुछ ही समय में होटल के अधिकांश हिस्से को नुकसान पहुंचाया। अग्निकांड में होटल का फर्नीचर, रसोई से संबंधित सामग्री तथा अन्य आवश्यक सामान पूरी तरह नष्ट हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं तथा आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

टीएमसी के कई एमएलए-एमपी आना चाहते हैं, पर अभी *दरवाजा बंद* : भाजपा अध्यक्ष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया है कि पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं को शामिल करने में कोई जल्दबाजी नहीं कर रही है। उनका दावा है कि राज्य में भाजपा की जीत के बाद टीएमसी के कई मौजूदा सांसद और विधायक भाजपा में शामिल होने के इच्छुक हैं, लेकिन पार्टी ने फिलहाल ऐसे नेताओं के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। एक साक्षात्कार में भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा ने अपने दम पर निर्णायक जनादेश प्राप्त किया है, इसलिए वह प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को समायोजित करने के लिए बाध्य नहीं है और उसने 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले हुए बड़े पैमाने पर दलबदल से सबक लिया है। किसी नेता का नाम लिए बिना या आंकड़े बताए बिना उन्होंने कहा कि कई टीएमसी सांसद और विधायक हमारे साथ जुड़ने को तैयार हैं, लेकिन मैं आंकड़ों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि भाजपा को राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अब बाहरी नेताओं की जरूरत नहीं है। अभी दरवाजा बंद है। हमें चुनाव जीतने के लिए अब किसी टीएमसी नेता की जरूरत नहीं है। हम अपने दम पर जीते हैं। हालांकि, भट्टाचार्य ने कुछ शर्तों के तहत भविष्य में नेताओं को शामिल करने की संभावना को खुला रखा। उन्होंने कहा कि राजनीति में दो और दो हमेशा चार नहीं होते; हम किसी भी दागी नेता के लिए अपने दरवाजे नहीं खोलेंगे... यह फैसला सामूहिक होगा, किसी एक व्यक्ति का नहीं। उन्होंने आगे कहा कि भले ही भाजपा भविष्य में नए नेताओं को शामिल करने पर विचार करे, लेकिन भ्रष्टाचार, भर्ती घोटालों में संलिप्तता या टीएमसी के कथित सिंडिकेट नेटवर्क से जुड़े नेताओं का स्वागत नहीं किया जाएगा। सत्ताधारी पार्टी के विभिन्न वर्गों के बीच भेदभाव करने के आरोपों को खारिज करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि मैंने कभी यह नहीं कहा कि कोई टीएमसी अच्छी है या कोई टीएमसी बुरी।

ग्वालपाड़ा में मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत दो कथित ड्रग तस्कर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम पुलिस ने राज्यभर में चलाए जा रहे मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत ग्वालपाड़ा जिले में कार्रवाई करते हुए दो कथित ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। अभियान के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से संदिग्ध हेरोइन भी बरामद की। पुलिस के अनुसार, ग्वालपाड़ा के राक्षसिनी क्षेत्र में शनिवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान मोकद्देस अली और सहर अली नामक दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से पांच डिब्बों में छिपाकर रखी गई 6.61 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे व्यापक अभियान का हिस्सा है। बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर लिया गया है और आरोपियों के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े संभावित नेटवर्क और अन्य संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, राज्य में नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। असम पुलिस ने दोहराया है कि राज्य को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ एक का शेष

एनडीए 3.0 के ...

यह दिल्ली में शर्मा के प्रवास के दौरान निर्धारित कई कार्यक्रमों में से एक है, जिसमें मुख्यमंत्री के आगामी दिनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करने की उम्मीद है। यह दौरा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है, क्योंकि सत्ताधारी दल ने राज्य विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की है। हालांकि, इस यात्रा को लेकर अधिकांश ध्यान अपने देश में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार पर केंद्रित है। हालांकि नए मंत्रिमंडल के हिस्से के रूप में 12 मई को चार मंत्रियों ने शपथ ली, लेकिन पूरी प्रक्रिया अभी भी जारी है। शर्मा ने विस्तार की तैयारियों के चलते राष्ट्रीय राजधानी की कुछ यात्राएं की हैं, जिसके जून के दूसरे सप्ताह में होने की उम्मीद है। 27 मई को प्रेस से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने संकेत दिया था कि यह प्रक्रिया धीरे-धीरे आगे बढ़ेगी, और राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की पूर्व आधिकारिक प्रतिबद्धताओं के आधार पर समयसीमा में बदलाव किया जाएगा। 3 जून से पहले यह संभव नहीं हो पाएगा क्योंकि राज्यपाल एक आधिकारिक दौरे पर मंगोलिया में होंगे, शर्मा ने कहा था। राज्यपाल आचार्य वर्तमान में भगवान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों, अर्हंत सारिपुत्र और अर्हंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेषों को एक विशेष प्रदर्शनी के लिए मंगोलिया ले जा रहे एक पवित्र दस दिवसीय मिशन पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, इसलिए शपथ ग्रहण समारोह के आगे बढ़ने के लिए उनकी वापसी एक पूर्व शर्त है। दिल्ली की यात्रा से राजनीतिक और प्रशासनिक प्राथमिकताओं की नींव रखे जाने की उम्मीद है, इसलिए राज्यपाल के स्वदेश लौटने के बाद असम के मंत्रिमंडल पर सबकी निगाहें होंगी।

राज्य ने 17 जिलों ...

था। उपायुक्तों और एसएसपी को परीक्षा दिवस पर सभी व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के लिए कहा गया था। समीक्षा में उम्मीदवारों के कल्याण को भी प्रमुखता दी गई। पोस्ट में आगे कहा गया है कि परीक्षा केंद्रों पर पीने के पानी की उपलब्धता, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, चालू पंखे, साफ-सुथरे शौचालय, छायादार प्रतीक्षा क्षेत्र और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष जोर दिया गया। राष्ट्रीय स्तर पर, केंद्र सरकार नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा के त्रुटिरहित संचालन को सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत भारतीय वायु सेना के विमानों का उपयोग करके प्रश्नपत्रों के परिवहन की संभावना तलाश रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उपस्थित थे। अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। इस प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष विचार के लिए रखे जाने की संभावना है। नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक होने का विवाद 7 मई को सामने आया, जो कि 3 मई को परीक्षा आयोजित होने के चार दिन बाद का समय था। यह परीक्षा भारत के 551 शहरों और विदेशों में 14 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 23 लाख उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) फिलहाल कथित लीक की जांच कर रही है, क्योंकि अधिकारी पुनर्परीक्षा से पहले परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता में विश्वास बहाल करने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

तमिलनाडु में असम ...

और एक किराये के कमरे में रह रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि शराब के नशे में दास ने शुक्रवार शाम पानी मांगने के बहाने महिला के घर में उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। महिला ने जबरन दरवाजा बंद किया और वह अंदर चली गई। जब आरोपी ने चाकू से खिड़कियों को नुकसान पहुंचाना शुरू किया तो महिला ने रिश्तेदारों को बुलाया। रिश्तेदार और कुछ स्थानीय लोगों का एक समूह मौके पर जमा हो गया और उन्होंने कथित तौर पर दास पर हमला किया, जिसकी बाद में चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

आतंकी फंडिंग : तिनसुकिया...

दो और आरोपियों को लाया है। दूरदर्शन के तिनसुकिया स्थित संवाददाता और एक स्थानीय समाचार पोर्टल से जुड़े मोरन को लगातार पूछताछ के बाद हिरासत में ले लिया गया। इसी पोर्टल से जुड़े एक अन्य व्यक्ति, जिसकी पहचान इसके मालिक रंटू डांगोरिया के रूप में हुई है, से भी पूछताछ की गई लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। मोरन को गुरुवार को अदालत में पेश किया गया और पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मोरन को उग्रवादी समूहों के लिए काम करने और वित्तीय सहायता नेटवर्क को बढ़ावा देने के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। इसी बीच, इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए चार व्यक्तियों - समर गोहेन, दीपू चेतिया पात्रा, देबाशीष गोगोई और मृत्युंजय कोनवार - को उनकी पिछली रिमांड अवधि पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया। समर गोहेन और दीपू चेतिया पात्रा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि देबाशीष गोगोई और मृत्युंजय कोनवार को आगे की पूछताछ के लिए पांच दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस शेख बसीर से भी गहन पूछताछ कर रही है, जिसे महाराष्ट्र के पालघर जिले से आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन हस्तांतरण में सुविधा प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एक अन्य घटनाक्रम में, तिनसुकिया पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस की सहायता से इस मामले के संबंध में सहारनपुर के नूर मोहम्मद और कानपुर के मोहम्मद शुभम को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से तिनसुकिया लाया। हालांकि जांचकर्ताओं ने पूछताछ के विवरण का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया है, लेकिन पुलिस सूत्रों ने संकेत दिया है कि कुछ महत्वपूर्ण सुराग सामने आए हैं। अधिकारियों को संदेह है कि कथित फंडिंग नेटवर्क के संबंध पूर्वोत्तर से परे भी हो सकते हैं, और जांचकर्ता अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जांच कर रहे हैं। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी के संबंध न केवल पूर्वोत्तर में सक्रिय विद्रोही समूहों से थे, बल्कि अन्य चरमपंथी नेटवर्क से भी थे। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही निष्कर्ष निकाले जाएंगे।

मानस और पबितरा में ...

समुदायों की आय बढ़ी है और आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीप सफारी से लेकर इको-रिसॉर्ट्स तक, असम की वन्यजीव आधारित अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है। राज्य सरकार की संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता और सतत प्रयासों के कारण बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक मानस राष्ट्रीय उद्यान और पबितरा वन्यजीव अभयारण्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वन्यजीव पर्यटन का बढ़ता दायरा स्थानीय उद्यमों और आजीविकाओं को मजबूत करने के साथ-साथ असम की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि पर्यटन और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर असम को देश के प्रमुख इको-टूरिज्म और वन्यजीव पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

गुवाहाटी वासियों को ...

तहत महापौर ने लोगों से अपने घरों और परिसरों के आसपास कपौ फूल के रंगों का उपयोग करने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने कचरा संग्रहण वाहनों के लिए एक नए थीम सॉन्ग के शुभारंभ की भी जानकारी दी। नगर निगम के इस फैसले को लेकर नागरिकों के बीच मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। हालांकि निगम प्रशासन का कहना है कि बेहतर स्वच्छता और प्रभावी कचरा प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय आवश्यक है। वहीं, शहर के कुछ इलाकों में निजी कचरा संग्रहकर्ताओं द्वारा परिवारों से 200 रुपए तक वसूले जाने की शिकायतों पर क्या कार्रवाई की जाएगी, इस संबंध में महापौर ने संवाददाता सम्मेलन में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

बंगाल में अभिषेक बनर्जी ...

इसी दौरान प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने उनका रास्ता घेर लिया। स्थिति तनावपूर्ण होने पर उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर किक्रेट हेलमेट पहन लिया और अपना कार्यक्रम जारी रखा। बताया जा रहा है कि विरोध के दौरान उन पर अंडे और जूते भी फेंके गए तथा उनकी शर्ट के बटन टूट गए। अभिषेक बनर्जी के सोनारपुर पहुंचने से पहले ही विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। कई लोग काले झंडे लेकर *गो बैक* के नारे लगा रहे थे। पाटुली के ढालाई ब्रिज से लेकर सोनारपुर के कामराबाद क्षेत्र तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जाने की सूचना है। विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के लगभग तीन सप्ताह बाद यह अभिषेक बनर्जी का पहला बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम था। वह सोनारपुर और बेलेघाटा क्षेत्रों में चुनाव बाद हिंसा से प्रभावित तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिलने पहुंचे थे। इस बीच, शनिवार दोपहर राज्य की अपराध जाँच विभाग (सीआईडी) की एक टीम अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास भी पहुंची। बताया गया कि यह कार्रवाई तृणमूल विधायकों के हस्ताक्षर संबंधी एक मामले की जांच के सिलसिले में की गई। हालांकि, उस समय अधिकारियों को बताया गया कि अभिषेक आवास पर मौजूद नहीं हैं। बाद में बेलियाघाटा से तृणमूल विधायक कुणाल घोष ने दावा किया कि अभिषेक उस समय उनके राममोहन राय रोड स्थित आवास पर मौजूद थे। सोनारपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल लगातार स्थिति पर नजर बनाए रहा और सुरक्षा व्यवस्था संभालता रहा। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल और अधिक गर्मा गया है। पुलिस ने मामले को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है और स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

ममता का भाजपा पर...

व्यवस्था में इस तरह की हिंसा स्वीकार्य नहीं है और भाजपा को इस घटना पर शर्म आनी चाहिए। ममता बनर्जी की यह प्रतिक्रिया उस घटना के बाद आई है, जब दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में मृत तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रहे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले के दौरान उनका विरोध किया गया। इस दौरान उन पर अंडे, जूते और अन्य वस्तुएं फेंके जाने के आरोप लगे हैं। घटना के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोध के नाम पर हिंसा और अराजकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन हिंसक तरीके किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराए जा सकते। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि विरोध प्रदर्शन पूर्व नियोजित था और इसके पीछे भाजपा समर्थकों की भूमिका थी। पार्टी नेताओं का आरोप है कि अभिषेक बनर्जी को जानबूझकर निशाना बनाया गया और उनकी सुरक्षा को खतरे में डाला गया। वहीं, अभिषेक बनर्जी ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह मामले को कानूनी रूप से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि आवश्यकता पड़ने पर वह हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का भी रुख कर सकते हैं। वहीं, इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में तनाव और बढ़ गया है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच इस मुद्दे को लेकर आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं, जबकि राजनीतिक गलियारों में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

उग्रवादी हमले के ...

घटना के बाद परिवहन क्षेत्र से जुड़े कर्मियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। आंदोलन के तहत एलपीजी बुलेट टैंकरों, तेल टैंकरों और मालवाहक ट्रकों सहित करीब 400 वाहन केइथेलमानबी क्षेत्र में खड़े रहे। इस दौरान चालक मृतक को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए और संवेदनशील मार्गों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने व्यावसायिक वाहनों और परिवहन कर्मियों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू करने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग-102 (इंफाल-डिमापुर मार्ग) को पूरी तरह खोलने की मांग भी की। ट्रक चालक संगठनों का कहना है कि यह राजमार्ग राज्य की आपूर्ति व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसके सुचारु संचालन से परिवहन व्यवस्था को राहत मिलेगी। ट्रक चालक संगठनों के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि जब तक सुरक्षा के पर्याप्त उपाय लागू नहीं किए जाते और एनएच-102 पर सामान्य आवागमन बहाल नहीं होता, तब तक परिवहन सेवाएं बंद रहेंगी। परिवहन सेवाओं के ठप होने से राज्य में ईंधन, खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई तत्काल घोषणा नहीं की गई है। प्रदर्शन के चलते राज्य में आपूर्ति व्यवस्था और जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

डीके शिवकुमार होंगे ...

सिद्धारमैया के मार्गदर्शन और डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में आगे बढ़ेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर राज्य के विकास को नई गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य केवल वर्तमान कार्यकाल को सफलतापूर्वक पूरा करना ही नहीं, बल्कि वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी को दोबारा सत्ता में लाना है। इसके लिए संगठन और सरकार मिलकर काम करेंगे। विधायक दल की बैठक में कांग्रेस के सभी विधायक, मंत्री और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। नेताओं ने डी.के. शिवकुमार के चयन का स्वागत करते हुए इसे पार्टी की एकजुटता का प्रतीक बताया। बैठक के बाद कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल राजभवन पहुंचा और राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार गठन का दावा पेश किया। इस बीच, मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर चल रही अटकलों पर भी कांग्रेस ने स्थिति स्पष्ट की है। पार्टी ने कहा कि विधान सौध की सीढ़ियों पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए जाने की खबरें सही नहीं हैं। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष जी. सी. चंद्रशेखर ने बताया कि नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 3 जून को बेंगलुरु में स्थित लोकभवन के ग्लास हाउस परिसर में आयोजित किया जाएगा। समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है।

साकेत में गिरी पांच ...

साकेत इलाके में अचानक हादसा होने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों को हादसे वाली जगह से हटाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई लोग मलबे के नीचे दब गए हैं, जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। अब तक करीब पांच लोगों का रेस्क्यू किया गया है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना स्थल पर स्थानीय पुलिस की टीम और मेडिकल टीम मौजूद है। घटना की सूचना करीब शाम 7:45 पर दमकल विभाग को जानकारी मिली थी। रेस्क्यू ऑपरेशन में लोकल प्रशासन, दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग के साथ-साथ आपातकालीन मेडिकल टीम भी मौजूद है। बचावकर्ता मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं आसपास के निवासियों और दुकानों को सुरक्षित स्थानों पर हटाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि अब तक चार से पांच लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने कहा कि प्राथमिकता फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना और घायलों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया है। मौके पर पुलिस के कई अधिकारी मौजूद हैं। पुलिस के मुताबिक, एक खंडहर इमारत एक रिहायसी इमारत के ऊपर गिरी गई, जिससे कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

विधायकों की कथित...

विपक्षी विधायकों को राजनीतिक और अन्य प्रकार के प्रलोभन देकर अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहा है। पार्टी का कहना है कि विपक्षी विधायकों से लगातार संपर्क कर उन्हें दल बदलने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। विधायक एग्री कृष्णमूर्ति ने दावा किया कि पार्टी छोड़ने वाले कुछ विधायकों को टीवीके की ओर से विभिन्न प्रकार के प्रलोभन दिए गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अन्य अन्नाद्रमुक विधायकों को भी दल बदलने के लिए प्रभावित करने की कोशिशें जारी हैं। दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। पहली बार चुनावी मैदान में उतरी टीवीके ने 108 सीटों पर जीत दर्ज कर राजनीतिक हलकों को चौंका दिया। इसके बाद कांग्रेस, वीसीके, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग तथा वामपंथी दलों के समर्थन से टीवीके ने सरकार बनाई। वहीं द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को 59 सीटें और अन्नाद्रमुक को 47 सीटें मिलीं। सरकार गठन के बाद विधानसभा में हुए विश्वास मत के दौरान अन्नाद्रमुक के कुछ विधायकों द्वारा सरकार के समर्थन में मतदान किए जाने से पार्टी के भीतर मतभेद खुलकर सामने आए। राजनीतिक गलियारों में चर्चा रही कि सरकार के समर्थन में मतदान करने वाले कुछ विधायक एस.पी. वेलुमणि और सी.वी. शन्मुगम गुट से जुड़े थे। विश्वास मत के बाद पार्टी के चार विधायकों ने इस्तीफा देने और टीवीके में शामिल होने का निर्णय लिया, जिससे अन्नाद्रमुक के भीतर राजनीतिक संकट और गहरा गया। हालांकि बाद में एस.पी. वेलुमणि गुट के असंतुष्ट विधायकों ने अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए पार्टी में एकजुटता बनाए रखने पर सहमति जताई। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्षी विधायकों को अपने पक्ष में करने के प्रयास जारी रखे हुए है। अन्नाद्रमुक ने अपने ज्ञापन में तमिलनाडु सचिवालय के कथित दुरुपयोग का मुद्दा भी उठाया है। पार्टी का आरोप है कि सचिवालय का इस्तेमाल सरकारी कार्यों के बजाय राजनीतिक गतिविधियों और दलगत हितों के लिए किया जा रहा है। पार्टी नेताओं ने आशंका जताई कि विपक्षी विधायकों को प्रभावित करने और उनकी राजनीतिक निष्ठा बदलने के प्रयासों में सरकारी संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने इस पहलू की भी स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए एग्री कृष्णमूर्ति ने कहा कि अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के निर्देश पर यह शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने राज्यपाल से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 167 के अंतर्गत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और विधायिका की गरिमा की रक्षा के लिए जरूरी है कि विपक्षी विधायकों को प्रभावित करने के किसी भी प्रयास को रोका जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। अन्नाद्रमुक की शिकायत के बाद तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। विपक्ष इस मुद्दे को लोकतंत्र और राजनीतिक नैतिकता से जोड़कर उठा रहा है, जबकि सत्तारूढ़ दल की ओर से अभी तक आरोपों पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि मामले की औपचारिक जांच शुरू होती है, तो इसके राज्य की राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। फिलहाल सभी की निगाहें राज्यपाल की प्रतिक्रिया और संभावित जांच संबंधी निर्णय पर टिकी हुई हैं। यदि राज्यपाल राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगते हैं या किसी जांच की अनुशंसा करते हैं, तो यह मामला तमिलनाडु की राजनीति का प्रमुख मुद्दा बन सकता है।

मेघालय में सैन्य ...

प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया और रक्षा सहयोग को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न देशों के सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। अभ्यास के दौरान सैनिकों को आतंकवाद-रोधी अभियानों से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान, प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मिश्रित दलों में कार्य करते हुए प्रतिभागियों ने रॉक क्राफ्ट, घात और प्रति-घात अभियान, स्लिथरिंग, जंगल लेन शूटिंग, कमरों और बसों में हस्तक्षेप अभियान, आईईडी की पहचान तथा घायलों की निकासी जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यासों में हिस्सा लिया। अधिकारियों के अनुसार, इस अभ्यास की सबसे बड़ी उपलब्धि विभिन्न देशों के सैनिकों के बीच विकसित हुआ आपसी विश्वास, सौहार्द और पेशेवर सहयोग रहा। कठिन परिस्थितियों में संयुक्त प्रशिक्षण और संचालन ने सहभागी सेनाओं के बीच बेहतर समझ और समन्वय को बढ़ावा दिया। अभ्यास के अंतर्गत भारतीय सेना ने फिक्की और आर्मी डिजाइन ब्यूरो के सहयोग से स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों और अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों की प्रदर्शनी भी आयोजित की। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश की बढ़ती रक्षा उत्पादन क्षमता को प्रदर्शित किया गया तथा रक्षा उद्योग सहयोग और निर्यात संभावनाओं को प्रोत्साहन मिला। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि प्रगति 2026 ने सहभागी देशों की सेनाओं के बीच सामंजस्य और सामूहिक तैयारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अभ्यास की सफलता भविष्य में इसके और व्यापक विस्तार का आधार बनेगी तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि के प्रति साझेदार देशों की साझा प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगी।

दिल्ली में बड़ी आतंकी ...

आया है कि गिरफ्तार आरोपितों को दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों के जवानों को निशाना बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिलने के बाद स्पेशल सेल ने गुप्त अभियान चलाकर पूरे मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपित पाकिस्तान स्थित हैंडलरों और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के संपर्क में थे। इनकी गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपितों ने अब तक किस स्तर तक साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर ली थी और इनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस संबंध में स्पेशल सेल के विशेष पुलिस आयुक्त आज शाम 4 बजे इस मामले की विस्तृत जानकारी देंगे।

हाथियों के हमले में महिला समेत दो की मौत

नगांव/ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के नगांव जिले के कचुवा क्षेत्र में जंगली हाथियों के हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, ग्वालपाड़ा जिले के मरनै इलाके में करंट लगने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगांव जिले के कचुवा क्षेत्र में बीती रात जंगली हाथियों के एक झुंड ने लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर जंगल की ओर खदेड़ने के लिए अभियान चलाया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। समाचार लिखे जाने तक मृतकों और घायलों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई थी।

राज्य में यूसीसी लागू होने की राह साफ, सामाजिक और कानूनी व्यवस्था में बड़े बदलाव की संभावना

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) असम विधेयक-2026 पारित किए जाने के बाद राज्य में इसके लागू होने को लेकर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। संवैधानिक स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून राज्य की नागरिक व्यवस्था, पारिवारिक कानूनों और प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। प्रस्तावित कानून को असम में पिछले कई दशकों के सबसे महत्वपूर्ण नागरिक कानून सुधारों में से एक माना जा रहा है। सरकार और इसके समर्थकों का कहना है कि यूसीसी से लैंगिक न्याय को बढ़ावा मिलेगा, कानूनी पारदर्शिता बढ़ेगी और विवाह, तलाक तथा पारिवारिक मामलों के लिए एक समान नागरिक ढांचा स्थापित होगा। विधेयक का सबसे बड़ा प्रभाव महिलाओं के अधिकारों और कानूनी सुरक्षा पर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। सरकार का तर्क है कि एकपत्नी प्रथा लागू होने तथा विवाह और तलाक के अनिवार्य पंजीकरण से वैवाहिक विवाद, परित्याग, उत्तराधिकार और भरण-पोषण जैसे मामलों में महिलाओं को अधिक कानूनी सुरक्षा मिलेगी। इसके अलावा आधिकारिक दस्तावेजीकरण से अपंजीकृत विवाहों और उनसे जुड़े शोषण की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। विधेयक में लिव-इन संबंधों के अनिवार्य पंजीकरण का भी प्रावधान किया गया है। समर्थकों का कहना है कि इससे ऐसे संबंधों में रहने वाली महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी। हालांकि आलोचकों ने इसे निजता के अधिकार और व्यक्तिगत संबंधों में सरकारी हस्तक्षेप से जोड़ते हुए चिंता व्यक्त की है। कानून लागू होने के बाद राज्य सरकार को विवाह, तलाक और लिव-इन संबंधों के पंजीकरण के लिए जिला और ग्रामीण स्तर पर विशेष पंजीकरण प्रणाली विकसित करनी होगी। इसके साथ ही डिजिटल डेटाबेस, सत्यापन तंत्र और शिकायत निवारण व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता पड़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में व्यापक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

यूसीसी विधेयक समान नागरिक कानून और सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण के बीच संतुलन को लेकर नई कानूनी और संवैधानिक बहस को जन्म दे सकता है। हालांकि राज्य सरकार ने अनुसूचित जनजातियों और आदिवासी समुदायों को कानून के दायरे से बाहर रखा है, फिर भी पारंपरिक कानूनों और छूट की सीमा को लेकर चर्चा जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि असम का यह कदम देशभर में समान नागरिक संहिता को लेकर चल रही बहस को नई दिशा दे सकता है। आगामी चुनावों के मद्देनजर यह मुद्दा राजनीतिक और वैचारिक विमर्श का केंद्र बन सकता है। समर्थक इसे कानून के समक्ष समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बता रहे हैं, जबकि विरोधी इसे व्यक्तिगत और सामुदायिक परंपराओं में हस्तक्षेप के रूप में देख रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार शुरुआती चरण में वकीलों, पारिवारिक अदालतों, पंजीकरण कार्यालयों और स्थानीय प्रशासनिक संस्थाओं पर कार्यभार बढ़ सकता है। हालांकि दीर्घकाल में नागरिक अभिलेखों के डिजिटलीकरण से प्रशासनिक दक्षता बढ़ने और पारिवारिक विवादों में कानूनी अस्पष्टता कम होने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यह कानून सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और समान अधिकार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य के स्वदेशी और जनजातीय समुदायों को प्राप्त संवैधानिक संरक्षण यथावत बनाए रखा जाएगा। फिलहाल यह विधेयक राज्यपाल और राष्ट्रपति की स्वीकृति की प्रतीक्षा में है। मंजूरी मिलने के बाद राज्य सरकार इसके क्रियान्वयन के लिए विस्तृत नियमावली और प्रक्रियाओं को अधिसूचित कर सकती है।

निर्वाचन निधि घोटाले में पदोवनत सर्किल आफिसर से सीएम विजिलेंस की पूछताछ

गुवाहाटी (हिंस)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आवंटित सरकारी धन के कथित गबन के मामले में पदोवनत सर्किल आफिसर संगीता बरठाकुर से मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ (सीएम विजिलेंस) ने शनिवार को पूछताछ की। आरोप है कि कामपुर में चक्र अधिकारी के रूप में कार्यरत रहने के दौरान संगीता बरठाकुर ने चुनावी कार्यों के लिए जारी सरकारी धन का दुरुपयोग किया था। यह राशि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के आयोजन हेतु उपलब्ध कराई गई थी। मामले को लेकर वर्ष 2025 में एक पीड़ित ने कामपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके आधार पर कामपुर थाना कांड संख्या 46/25 दर्ज किया गया। बाद में संगीता बरठाकुर को इस मामले में जमानत मिल गई थी। हालांकि, मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ ने अब इस मामले की फाइल को पुनः खोलते हुए जांच तेज कर दी है। जांच के सिलसिले में बरठाकुर को शनिवार को रूपनगर स्थित विजिलेंस कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। विजिलेंस अधिकारियों ने उनसे कई घंटों तक पूछताछ की। पूछताछ के बाद उन्हें जाने की अनुमति दे दी गई, लेकिन मामले की जांच जारी है और आगे भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस कथित वित्तीय अनियमितता के कारण राज्य सरकार ने पहले ही संगीता बरठाकुर को पदोवनति कर निचले पद पर भेज दिया था। अब विजिलेंस की पुनः शुरू हुई जांच से मामले में नई जान आ गई है और जिम्मेदारियों के निर्धारण की दिशा में कार्रवाई आगे बढ़ रही है।

लोक भवन असम ने गोवा राज्य स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी। *एक भारत श्रेष्ठ भारत* की भावना और पूरे देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्थापना दिवस मनाने की भारत सरकार की पहल के अनुरूप, लोक भवन असम ने आज यहां अपने परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में गोवा का राज्य स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में गोवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, जीवंत परंपराओं और भारत की प्रगति तथा एकता में उसके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया गया। यह उत्सव उन अद्वितीय सांस्कृतिक पहचानों के प्रति अधिक समझ और सराहना को बढ़ावा देने का एक मंच बना, जो सामूहिक रूप से राष्ट्र के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, लोक भवन के संयुक्त सचिव अरिंदम बरुवा ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने और विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कड़ियों के बारे में भी बात की जो देश के विविध क्षेत्रों को आपस में जोड़ती हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, सेंट जेवियर्स स्कूल, पामोही के फादर जोस्ली फर्नांडिस ने गोवा के इतिहास, संस्कृति और पर्यटन की संभावनाओं का एक ज्ञानवर्धक अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने राज्य की विशिष्ट पहचान, प्राकृतिक सुंदरता और भारत के सबसे अधिक मांग वाले पर्यटन स्थलों में से एक के रूप में इसकी चिरस्थायी अपील को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान गोवा की विरासत, कला, वास्तुकला, त्योहारों और प्राकृतिक सुंदरता को प्रदर्शित करने वाली एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई, जिसने राज्य की जीवंत जीवनशैली की एक झलक पेश की।

ढकुवाखना में अफ्रीकन स्वाइन फीवर का खतरा, सूअरों की मौत से पशुपालक चिंतित

लखीमपुर (हिंस)। असम के ढकुवाखना क्षेत्र में अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) के संक्रमण की आशंका के बीच कई सूअरों की मौत की खबर सामने आने से पशुपालकों में चिंता बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में लगातार सूअरों के मरने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे बीमारी के फैलने का डर बना हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, संक्रमण के कारण अलग-अलग स्थानों पर सूअरों की लगातार मौत हो रही है। अचानक बढ़ रही इन घटनाओं ने सूअर पालन से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पशुपालकों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। जानकारी के मुताबिक, नीरुज टाव नामक युवक के फार्म में एक

के बाद एक कई सूअरों की मौत हो चुकी है। अचानक हो रही मौतों के कारण फार्म संचालक को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य कई फार्मों से भी स्वाइन फीवर जैसे लक्षणों के कारण सूअरों की मौत की सूचना मिल रही है। स्थानीय पशुपालकों का कहना है कि इस संक्रमण ने उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। सूअर पालन पर निर्भर कई परिवारों को लाखों रुपये के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित लोगों ने प्रशासन और पशुपालन विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर बीमारी की जांच, रोकथाम और प्रभावित पशुपालकों को सहायता प्रदान करने की मांग की है। वहीं, क्षेत्र में संक्रमण की खबर फैलने के बाद पशुपालन विभाग की भूमिका पर भी नजरें टिकी हुई हैं। स्थानीय लोग चाहते हैं कि विभाग जल्द सर्वेक्षण कर प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक चिकित्सा और रोकथाम संबंधी उपाय लागू करे, ताकि बीमारी को फैलने से रोका जा सके और पशुपालकों को राहत मिल सके।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य मंगोलिया में आयोजित होने वाले पवित्र प्रदर्शनी कार्यक्रम के लिए भगवान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों अरहंत सारिपुत्र और अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेषों को लेकर जाने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के सांची विहार चैत्य में संरक्षित इन पवित्र अवशेषों को 9 जून तक मंगोलिया में रखा जाएगा। इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का उद्देश्य भारत और मंगोलिया के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत और बौद्ध संबंधों को और अधिक मजबूत करना है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची स्तूप से जुड़े ये पवित्र अवशेष दुनियाभर के बौद्ध अनुयायियों के लिए अत्यंत श्रद्धा का विषय हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष पहल पर की गई है, ताकि भारत और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंधों को और प्रगाढ़ किया जा सके। मंगोलिया को बौद्ध जगत में भारत का आध्यात्मिक पड़ोसी माना जाता है। राज्यपाल आचार्य शनिवार को पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ पवित्र अवशेषों को लेकर प्रतिनिधिमंडल के साथ रवाना होंगे। मंगोलिया में आयोजित प्रदर्शनी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, भिक्षु, विद्वान और आध्यात्मिक अनुयायी इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस आयोजन को भारत और मंगोलिया के बीच साझा बौद्ध विरासत और गहरी मित्रता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। राज्यपाल आचार्य के 3 जून को भारत लौटने की संभावना है।

शंकरदेव शिशु निकेतन में नव निर्मित शिशु-बाटिका गृह का उद्घाटन और सम्मान समारोह

रंगिया (विभास)। रंगिया के बालीसत्र के लाचिस्थित शंकरदेव शिशु निकेतन में आज एक नया निर्मित *शिशु-बाटिका गृह* का उद्घाटन और विदाई-संवर्द्धना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रा जिज्ञासा गोस्वामी द्वारा गणेश स्तोत्र के पाठ से हुई और वरिष्ठ समाजसेवी उदय शंकर कलिता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे तीन आचार्यों बसंत कुमार शर्मा, महेश दास और दीपक कलिता, तथा शिशुमातृ द्रुपदी कलिता सेहगल को फुलाम गामोछा, होराई, प्रशस्ति पत्र और श्रीकृष्णगीता की पुस्तक उपहार स्वरूप देकर औपचारिक रूप से विदाई-संवर्धना दी गई। यह सम्मान निकेतन संचालन समिति के सचिव भवेश गोस्वामी तथा निकेतन प्रबंधन ने प्रदान किया। साथ ही निकेतन के कुछ छात्र-छात्राओं को इस सत्र की हायर सेकेंडरी परीक्षा में अच्छे परिणाम लाने पर बधाई दी गई। बंगाईगांव तेल शोधनागार के सह गाणनिक अधिकारी शरत चंद्र वैश्य ने परिसर में पौधारोपण किया। विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष भुवनेश्वर कुमारे ने सभा की अध्यक्षता की और प्रधान आचार्य हिरेन्द्र नाथ कलिता ने कार्यक्रम का संचालन किया। निकेतन की छात्राओं द्वारा उद्घाटन गीत प्रस्तुत किया गया। वृष्टि कश्यप ने *हमारा लक्ष्य* व मृगांक वैश्य ने सुवासित पाठ किया; वहीं अनिंदिता कश्यप ने प्रतिज्ञा पाठ किया तथा बिवान कलिता ने *अमृत वचन* पाठ किया। शिष्टाचार और उपलब्धियों के लिए अभिनंदन प्राप्त करने वाले विधार्थियों में काकोली कश्यप, सुषांत कलिता, दिक्षु गोस्वामी, ज्योतिस्मिता कलिता, आयेशा सिद्दिका, भार्गव कलिता, भ्रांति दास, राकेश कलिता, काकुल कलिता, सियारेखा कश्यप, धृतिष्मान मेधी, हियाश्री कलिता और नयना कलिता शामिल हैं। सभा में सेवानिवृत्त अध्यापक मुकुल कलिता, समाजसेवी कनक चंद्र हालोई, निकेतन के पूर्व अध्यक्ष सूर्यकांत कलिता, उपाध्यक्ष तपन चंद्र कुंवर, पूर्व सचिव शरत कलिता, सहायक सचिव दशरथ डेका, साहित्य संगठनकर्ता हेमंत कलिता सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत कर अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम *वंदे मातरम्* के गायन के साथ समापन हुआ।

विश्वनाथ में एनसीसी का वार्षिक ट्रेनिंग कैंप का आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। असम बटालियन एनसीसी, तेजपुर ग्रुप का कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप (सीएटीसी-30), जो अभी जवाहर नवोदय विद्यालय, विश्वनाथ में 25 मई 2026 से चल रहा है। प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर, आर्मी के जवानों ने कैंप में आए एनसीसी कैडेटों के लिए एक पूरी ट्रेनिंग और ओरिएंटेशन सेशन किया। इन एक्टिविटीज में मॉडर्न वेपन सिस्टम और ड्रोन टेक्नोलॉजी का इंट्रोडक्शन, ऑपरेशन सिंदूर पर एक प्रेजेंटेशन, लीडरशिप डेवलपमेंट सेशन और हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट टेक्नीक पर प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे। इस बातचीत से कैडेट्स को आज की मिलिट्री क्षमताओं, युद्ध में नई टेक्नोलॉजी और मिलिट्री और आम लोगों की जिंदगी में लीडरशिप, डिसिप्लिन और फिजिकल फिटनेस के महत्व के बारे में कीमती जानकारी

मिली। ऑपरेशन सिंदूर पर हुए सेशन ने कैडेट्स को इंडियन आर्म्ड फोर्सेज के प्रोफेशनलिज्म, तैयारी और ऑपरेशनल एक्सीलेंस को बेहतर ढंग से समझने में मदद की। यह इवेंट एनसीसी की लगातार कोशिशों का हिस्सा था, ताकि कैडेटों को आर्म्ड फोर्सेज से परिचित कराया जा सके, उनकी देशभक्ति की भावना को मजबूत किया जा सके, और उन्हें देश बनाने और लीडरशिप रोल के लिए प्रेरित किया जा सके। 5 असम बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर और कैंप अधिकारियों ने कैडेटों के लिए जानकारी देने वाला और मोटिवेट करने वाला प्रोग्राम चलाने और उनके सपोर्ट के लिए ब्लेजिंग स्वॉर्ड्स डिवीजन का शुक्रिया अदा किया।

युवक से मारपीट के आरोप में पुलिस अधिकारी के खिलाफ जांच का आदेश

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सातगांव थाना में तैनात पुलिस अधिकारी जयंत राजखोवा के खिलाफ एक युवक से कथित दुर्व्यवहार और मारपीट के मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। आरोप है कि अधिकारी ने बिना किसी उचित कारण के राजधानी की सड़क पर एक युवक की सार्वजनिक रूप से पिटाई की। पीड़ित युवक के अनुसार, यह घटना चार दिन पहले हुई थी। आरोप है कि पुलिस अधिकारी ने युवक को रास्ते में रोककर अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया, धमकाया और उसके साथ मारपीट की। युवक ने दावा किया कि अधिकारी ने उसे यह कहकर डराने की कोशिश की कि यदि उसने घटना के बारे में किसी को बताया तो उसका एनकाउंटर कर दिया जाएगा। मामले में यह भी आरोप लगाया गया है कि अधिकारी ने सड़क पर युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए उसकी बेरहमी से पिटाई की। घटना का कथित सीसीटीवी फुटेज और शिकायत सामने आने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। पीड़ित ने घटना के संबंध में सतगांव थाना में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ जांच शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। घटना को लेकर विभिन्न सामाजिक और नागरिक संगठनों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस विभाग की ओर से फिलहाल मामले की जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तंबाकू मुक्त समाज के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कामरूप, अमिनगांव (विभास)। विश्व तंबाकू विरोधी दिवस-2026 के अवसर पर हाजो के दमदमा महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में आज शीर्षक विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला तंबाकू नियंत्रण कोष, कामरूप और जिला स्वास्थ्य समिति, कामरूप के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य तंबाकू और निकोटीन-आधारित नशे के हानिकारक प्रभाव के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाना और एक स्वस्थ, तंबाकू-मुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी को प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बल्कि परिवार और समाज पर भी गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाशक्ति से आग्रह किया कि वे सिगरेट, गुटखा, जर्दा, खैनी आदि तंबाकू-आधारित उत्पादों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि तंबाकू नियंत्रण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी से ही एक स्वस्थ

और सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। साथ ही जिला आयुक्त ने छात्रों से तंबाकू सेवन और अन्य हानिकारक गैर-पोषक आदतों से बचने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की आदतें न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि छात्रों को उनके जीवन के लक्ष्यों और आकांक्षाओं से भी भटका सकती हैं। आयुक्त ने साफ-सुथरे और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने पर भी जोर देते हुए कहा कि तंबाकू-मुक्त और स्वच्छ परिवेश का निर्माण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। वक्ता के रूप में उपस्थित, अध्यापक तथा प्रभारी अधिकारी, मुख्य शोधकर्ता एवं प्रतिरोधात्मक कैंसर रोग विभाग, नेशनल टोबेको क्वीट लाइन सर्विसेज की डॉ. भुवनेश्वर बरुवा, आंचलिक कैंसर संस्थान की प्रोफेसर डॉ. श्रावणा मिश्र भागवती ने तंबाकू सेवन से होने वाले विभिन्न प्रकार के कैंसर, हृदय रोग एवं अन्य जटिल स्वास्थ्य समस्याओं पर व्यापक रूप से चर्चा की। साथ ही राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा संचालकालय, असम राज्य के सलाहकार डॉ. रमेश भट्टाचार्य ने तंबाकू नियंत्रण कानून, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और तंबाकू छोड़ने के लिए उपलब्ध सेवाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गुवाहाटी के सहयोगी अध्यापक डॉ. रामदास रानसिंह ने स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने और जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन के माध्यम से तंबाकू-जनित रोगों में कमी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में कामरूप जिला पथ सुरक्षा समिति के सहयोग से पथ सुरक्षा संबंधी एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। इस सत्र में कामरूप के सहायक पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा और मोटर वाहन निरीक्षक जयसिंग रंगफारे ने मोटर दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों का पालन, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, शराब पीकर वाहन न चलाने सहित अन्य विषयों पर उपस्थित लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने तंबाकूजनित पदार्थों का उपयोग न करने और तंबाकू सेवन करने वाले मित्रों व परिवार के सदस्यों को इस हानिकारक आदत को छोड़ने के लिए तंबाकू-विरोधी शपथ लेने का संकल्प लिया।

धुबड़ी : गोमांस समेत दो लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी शहर के एक नंबर वार्ड स्थित कचहरी घाट में आज गोमांस के विरुद्ध पुलिस द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान करीब 31 किलोग्राम गोमांस को पुलिस ने बरामद कर जब्त कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तलाशी अभियान चलाकर जलेश्वर से धुबड़ी की ओर आर रही दो नावों को पकड़ा। नाव में तलाशी अभियान के दौरान उक्त गोमांस बरामद कर दो लोगों को हिरासत में लिया। पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान अब्दुल मस्जिद और अब्दुल हुसैन के रूप में की गई है। फिलहाल पुलिस दोनों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है। साथ गोमांस के खिलाफ जिलेभर में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

संपादकीय

जरूरी सत्ता परिवर्तन

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस संगठन व कार्यकर्ताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है। वहीं दूसरी ओर निवर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र की राजनीति में भूमिका को स्वीकार करने के लिये दिए गए प्रस्ताव पर अनिच्छा जताने ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। बहरहाल, इसी तरह के अनिर्णय व असमंजस की स्थिति का नुकसान विगत में कांग्रेस कई राज्यों में उठा चुकी है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 2018-23 तक पद पर बनाये रखा, जबकि उनके सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी टीएस सिंह देव लगातार उन पर दबाव डाल रहे थे। पंजाब में, पार्टी ने साल 2022 के विधानसभा चुनावों से ठीक पांच महीने पहले कैप्टन अमरिंदर को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने के उद्देश्य से उठाया गया यह कठोर कदम कांग्रेस को बड़ा झटका दे गया था। कर्नाटक कांग्रेस के लिये दक्षिणी राज्यों में पकड़ बनाने की नीतियों की वजह से एक महत्वपूर्ण राज्य है। विगत में राज्य में भाजपा की पकड़ मजबूत रही है। यहां पार्टी का मजबूत संगठन मौजूद भी है। बहरहाल, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका यह दांव शिवकुमार और सिद्धारमैया के नेतृत्व वाले गुटों के बीच मतभेद को बढ़ाने वाला साबित न हो। बल्कि मिल-जुलकर पार्टी संगठन को मजबूती देने के प्रयास हों।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखाई दे रहे थे।

महिलाओं की आवाजाही से जुड़ी योजनाओं, सुविधाओं और नीतियों का महत्व केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी होता है

मुश्किल में है आधी आबादी की आवाजाही

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में किसी बस स्टॉप पर खड़ी स्त्री का दृश्य सामान्य प्रतीत हो सकता है, लेकिन यदि हम उसे थोड़ा गहराई से देखें तो वह केवल एक यात्री नहीं दिखाई देती। वह अपने साथ समाज की अनेक परतें, संघर्ष, उम्मीदें और सवाल लेकर खड़ी होती है। वह बस का इंतजार कर रही होती है, लेकिन साथ ही वह अपने अधिकारों, अवसरों और सम्मानजनक अस्तित्व की भी प्रतीक्षा कर रही होती है। विडंबना यह है कि जिस दृश्य को हम प्रतिदिन देखते हैं, उसके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अर्थों को समझने की कोशिश बहुत कम करते हैं। भारतीय समाज में पुरुष और महिला की सार्वजनिक उपस्थिति को लेकर आज भी एक बड़ा अंतर मौजूद है। यदि रात के समय कोई पुरुष सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे, बस का इंतजार करता मिले या किसी चाय की दुकान पर बैठा हो, तो यह एक सामान्य बात मानी जाती है। लेकिन यदि वही दृश्य किसी महिला के साथ हो तो अनेक प्रश्न स्वतः खड़े हो जाते हैं। वह कहाँ जा रही है? अकेली क्यों है? इतनी देर तक बाहर रहने की क्या आवश्यकता है? कौन उसका इंतजार कर रहा होगा? ये प्रश्न केवल जिज्ञासा नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता के प्रतीक हैं जो महिलाओं की स्वतंत्र आवाजाही को अब भी पूरी तरह सहजता से स्वीकार नहीं कर पाई है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। महानगरों में भी महिलाएँ सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को पुरुषों की तुलना में अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं। उनके लिए घर से बाहर निकलना केवल एक भौतिक यात्रा नहीं होता, बल्कि अनेक मानसिक और सामाजिक बाधाओं को पार करने की प्रक्रिया भी होता है। इसीलिए महिलाओं की आवाजाही से जुड़ी योजनाओं, सुविधाओं और नीतियों का महत्व केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी होता है। जब सरकारें महिलाओं के लिए मुफ्त या रियायती बस यात्रा जैसी योजनाएँ लागू करती हैं, तो उसका महत्व केवल किराए की बचत तक सीमित नहीं रहता। यह उन महिलाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलता है जिनके लिए प्रतिदिन का छोटा-सा खर्च भी निर्णयों को प्रभावित करता है। कई परिवारों में आज भी महिलाओं की शिक्षा, नौकरी या अन्य गतिविधियों पर होने वाला खर्च एक अतिरिक्त बोझ माना जाता है। ऐसे में परिवहन का खर्च कम होना उन्हें अधिक स्वतंत्रता प्रदान कर सकता है। यह समझना आवश्यक है कि घर से बाहर निकलने वाली हर महिला केवल नौकरी पर नहीं जा रही होती। वह अपने जीवन के किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य की ओर बढ़ रही हो सकती है। कोई महिला अपनी बीमार माँ की देखभाल के लिए दूसरे मोहल्ले या शहर जा रही हो सकती है। कोई विवाह के बाद छूट गई पढ़ाई को फिर से शुरू करने का साहस जुटा रही हो सकती है। कोई बेहतर रोजगार की तलाश में प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर रही हो सकती है। कोई अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अतिरिक्त काम कर रही हो सकती है। और यह भी संभव है कि वह केवल कुछ क्षणों की

मानसिक शांति के लिए घर से बाहर निकली हो, क्योंकि घर के भीतर उसका अवैतनिक श्रम कभी समाप्त नहीं होता। भारतीय समाज में महिलाओं का घरेलू श्रम आज भी बड़े पैमाने पर अदृश्य बना हुआ है। भोजन बनाना, बच्चों की देखभाल करना, बुजुर्गों की सेवा करना, घर की साफ-सफाई और अनगिनत छोटे-बड़े काम—ये सब ऐसे कार्य हैं जिनके बिना परिवार का जीवन संभव नहीं है, लेकिन इनका आर्थिक मूल्य नहीं आँका जाता। ऐसे में जब कोई महिला घर से बाहर निकलती है तो वह केवल एक व्यक्ति के रूप में नहीं बल्कि अनेक जिम्मेदारियों के बोझ के साथ निकलती है। उसके पास समय कम होता है, संसाधन सीमित होते हैं और सामाजिक अपेक्षाएँ अधिक होती हैं। सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की उपस्थिति को लेकर हमारी सामाजिक सोच में भी अनेक विरोधाभास दिखाई देते हैं। एक ओर हम महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता की बात करते हैं, दूसरी ओर उनकी स्वतंत्र आवाजाही को लेकर संदेह और नियंत्रण की प्रवृत्ति भी बनाए रखते हैं। परिवार अक्सर बेटियों को पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन देर शाम घर लौटने को लेकर चिंतित रहते हैं। वे चाहते हैं कि महिलाएँ आगे बढ़ें, लेकिन उनके रास्ते में अनेक सामाजिक सीमाएँ भी खड़ी कर देते हैं। महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन केवल यात्रा का साधन नहीं है, बल्कि सामाजिक भागीदारी का माध्यम भी है। यदि परिवहन सुलभ, सुरक्षित और किफायती हो तो महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। दुनिया भर के अनेक अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि महिलाओं की गतिशीलता बढ़ने से उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ती है। इसलिए महिलाओं की आवाजाही को केवल परिवहन नीति के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक विकास की नीति के रूप में देखा जाना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में महिलाओं की बड़ी संख्या आज भी इसलिए अवसरों से वंचित रह जाती है क्योंकि उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध नहीं होता। अनेक छात्राएँ दूर के कॉलेजों में प्रवेश नहीं लेतीं क्योंकि यात्रा कठिन या असुरक्षित होती है। कई महिलाएँ बेहतर नौकरी के अवसर छोड़ देती हैं क्योंकि देर शाम लौटना उनके लिए जोखिमपूर्ण माना जाता है। इस प्रकार असुरक्षित सार्वजनिक स्थान केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता को ही सीमित नहीं करते, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को भी प्रभावित करते हैं। हालाँकि केवल सुरक्षा की चर्चा पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक स्थानों पर सम्मानजनक व्यवहार भी उतना ही आवश्यक है। महिलाओं को अक्सर घूरती निगाहों, अनावश्यक टिप्पणियों और असहज वातावरण का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करता है और कई बार उन्हें सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के लिए मजबूर करता है। किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल अपराध दर से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वहाँ लोग एक-दूसरे के प्रति कितना सम्मानपूर्ण व्यवहार करते हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सार्वजनिक अनुशासन का प्रश्न केवल पुरुषों तक सीमित नहीं है। फुटपाथों पर अवैध पार्किंग, यातायात नियमों की अवहेलना, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाना और सामुदायिक संसाधनों का दुरुपयोग जैसी समस्याओं में समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी दिखाई देती है। इसलिए समाधान भी सामूहिक होना चाहिए। महिलाओं और पुरुषों दोनों को समान रूप से नागरिक जिम्मेदारियों का पालन करना होगा। सार्वजनिक जीवन तभी बेहतर बन सकता है जब अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी महत्व दिया जाए। शहरों की संरचना और विकास योजनाओं में भी महिलाओं की आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया है। अधिकांश शहर पुरुष-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ विकसित हुए हैं। सड़कें, परिवहन प्रणाली, सार्वजनिक शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्थाएँ अक्सर महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गईं। परिणामस्वरूप महिलाएँ अनेक असुविधाओं का सामना करती हैं। यदि वास्तव में समावेशी शहर बनाने हैं तो शहरी नियोजन में महिलाओं के अनुभवों और आवश्यकताओं को केंद्र में रखना होगा। महिलाओं की स्वतंत्र आवाजाही केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और समानता का प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में प्रत्येक नागरिक को बिना भय और भेदभाव के सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने का अधिकार होना चाहिए। यदि आधी आबादी को अपने अधिकारों के उपयोग के लिए अतिरिक्त संघर्ष करना पड़े तो यह समाज की सामूहिक विफलता है। आज आवश्यकता केवल नीतियों और योजनाओं की नहीं, बल्कि मानसिकता में बदलाव की भी है। हमें अपनी बेटियों को यह विश्वास देना होगा कि सार्वजनिक स्थान भी उतने ही उनके हैं जितने किसी और के। हमें अपने बेटों को यह सिखाना होगा कि महिलाओं की स्वतंत्रता कोई विशेष सुविधा नहीं बल्कि उनका मौलिक अधिकार है। हमें यह समझना होगा कि किसी महिला का अकेले यात्रा करना, देर शाम घर लौटना या अपने लिए समय निकालना असामान्य नहीं है। बस स्टॉप पर खड़ी स्त्री दरअसल बदलते भारत की तस्वीर है। वह अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेना चाहती है।

भारतीय समाज में पुरुष और महिला की सार्वजनिक उपस्थिति को लेकर आज भी एक बड़ा अंतर मौजूद है। यदि रात के समय कोई पुरुष सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे, बस का इंतजार करता मिले या किसी चाय की दुकान पर बैठा हो, तो यह एक सामान्य बात मानी जाती है। लेकिन यदि वही दृश्य किसी महिला के साथ हो तो अनेक प्रश्न स्वतः खड़े हो जाते हैं। वह कहाँ जा रही है? अकेली क्यों है? इतनी देर तक बाहर रहने की क्या आवश्यकता है? कौन उसका इंतजार कर रहा होगा? ये प्रश्न केवल जिज्ञासा नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता के प्रतीक हैं जो महिलाओं की स्वतंत्र आवाजाही को अब भी पूरी तरह सहजता से स्वीकार नहीं कर पाई है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। महानगरों में भी महिलाएँ सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को पुरुषों की तुलना में अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं।

देश | दुनीया से

जेल, पैरोल और धार्मिक प्रभाव के बीच उलझता भारतीय समाज

भारत में धर्म केवल आस्था का विषय नहीं है; वह सामाजिक प्रभाव, राजनीतिक शक्ति और आर्थिक संरचना का भी बड़ा केंद्र बन चुका है। यही कारण है कि जब किसी बड़े धार्मिक बाबा, स्वयंभू संत या आध्यात्मिक संगठन के प्रमुख पर गंभीर आपराधिक आरोप लगते हैं, तब मामला केवल अदालत और कानून तक सीमित नहीं रहता। वह समाज की मानसिकता, भक्त-राजनीति, न्याय-व्यवस्था और राज्य की निष्पक्षता पर एक व्यापक बहस में बदल जाता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने कई ऐसे मामले देखे हैं जहाँ बड़े-बड़े धार्मिक चेहरों पर यौन शोषण, आर्थिक अनियमितता, हिंसा, अवैध कब्जे और सत्ता के दुरुपयोग जैसे आरोप लगे। कुछ मामलों में अदालतों ने दोष सिद्ध भी किए, लेकिन इसके बावजूद उनके प्रभाव, लोकप्रियता और अनुयायियों की संख्या में बहुत अधिक कमी दिखाई नहीं दी। यही विरोधाभास भारतीय समाज की सबसे जटिल सच्चाइयों में से एक है। जब किसी दोषसिद्ध बाबा को पैरोल मिलती है, जेल से बाहर आने पर उसका भव्य स्वागत होता है, बड़ी गाड़ियों के काफिले चलते हैं, हजारों अनुयायी इकट्ठा होते हैं और पूरा वातावरण किसी धार्मिक उत्सव जैसा दिखाई देता है, तब एक बड़ा प्रश्न समाज के सामने खड़ा होता है—क्या भारत में आस्था न्याय से अधिक शक्तिशाली हो चुकी है? सामान्य परिस्थितियों में किसी अपराधी की जेल-रिहाई केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया होती है, लेकिन जब वही व्यक्ति करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हो, तब उसकी हर गतिविधि राजनीतिक और सामाजिक अर्थ ग्रहण कर लेती है। भारतीय लोकतंत्र का संकट यही है कि यहाँ कई बार व्यक्ति "धार्मिक ब्रांड" बन जाता है। उसके खिलाफ अदालत का फैसला भी उसके अनुयायियों के विश्वास को पूरी तरह नहीं तोड़ पाता। भक्तों का एक बड़ा वर्ग हर आरोप को साजिश, राजनीति या धार्मिक षड्यंत्र के रूप में देखने लगता है। यही कारण है कि कुछ बाबाओं के खिलाफ गंभीर आरोप सिद्ध होने के बाद भी उनके डेरे, आश्रम और संस्थाएँ पहले की तरह चलती रहती हैं।

उनके समर्थक उन्हें अपराधी नहीं, बल्कि "पीड़ित संत" के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यह स्थिति केवल न्याय-व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना के लिए भी चुनौती है। समस्या केवल बाबाओं तक सीमित नहीं है; समस्या उस सामाजिक संरचना में भी है जो व्यक्ति-पूजा को विवेक से ऊपर रखती है। भारत के अनेक हिस्सों में धार्मिक बाबा केवल आध्यात्मिक गुरु नहीं होते, बल्कि लोगों के जीवन-निर्णयों, आर्थिक व्यवहार, सामाजिक संबंधों और राजनीतिक सोच तक को प्रभावित करते हैं। गरीब, वंचित और भावनात्मक रूप से टूटे लोग अक्सर ऐसे संगठनों में सुरक्षा, पहचान और सहारा खोजते हैं। धीरे-धीरे यह आस्था निर्भरता में बदल जाती है। यही निर्भरता कई बार सवाल पूछने की क्षमता को खत्म कर देती है। भक्त अपने गुरु के खिलाफ आए आरोपों को स्वीकार करने के बजाय पूरी व्यवस्था पर ही अविश्वास करने लगते हैं। यह भी सच है कि सभी धार्मिक गुरु या संत एक जैसे नहीं होते। अनेक संत समाज-सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम भी करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब किसी बाबा के इर्द-गिर्द "असीम शक्ति" और "अंध-भक्ति" का ऐसा वातावरण बना दिया जाता है कि वह स्वयं को कानून और नैतिकता से ऊपर समझने लगे। इतिहास बताता है कि जब भी किसी व्यक्ति को बिना प्रश्न किए "दैवीय" बना दिया जाता है, तब शोषण और सत्ता-दुरुपयोग की संभावना बढ़ जाती है। लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति या संस्था को सवालों से परे नहीं रखा जा सकता, चाहे वह राजनीतिक नेता हो, उद्योगपति हो या धार्मिक गुरु। ऐसे मामलों में राज्य और राजनीति की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है। बड़े धार्मिक संगठनों के पास विशाल जनसमर्थन होता है, जिसका चुनावी प्रभाव भी पड़ता है। यही कारण है कि राजनीतिक दल अक्सर ऐसे संगठनों के प्रति नरम रुख अपनाते दिखाई देते हैं। कई बार यह धारणा बनती है कि प्रभावशाली बाबाओं को कानून से अधिक सामाजिक और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होता है। चाहे यह पूरी तरह सच हो या नहीं, लेकिन यदि जनता के भीतर यह विश्वास पैदा हो जाए कि कानून सबके लिए समान नहीं है, तो न्याय-व्यवस्था की नैतिक विश्वसनीयता कमजोर होने लगती है। पैरोल और कानूनी राहत अपने-आप में गलत नहीं हैं। भारतीय कानून हर कैदी को कुछ अधिकार देता है। लेकिन जब किसी प्रभावशाली बाबा की पैरोल सार्वजनिक शक्ति-प्रदर्शन में बदल जाती है, तब वह केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं रह जाती। वह समाज में यह संदेश देती है कि प्रभाव और भीड़ आज भी न्याय की भाषा को प्रभावित कर सकते हैं। यही कारण है कि हर ऐसी रिहाई के बाद पीड़ितों, महिला अधिकार कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों के भीतर असंतोष बढ़ता है। उन्हें लगता है कि जिन लोगों ने न्याय के लिए लंबी लड़ाई लड़ी, उनकी पीड़ा को समाज जल्दी भूल जाता है, लेकिन प्रभावशाली चेहरों की वापसी को उत्सव बना देता है। यह पूरा घटनाक्रम मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। आज धार्मिक बाबाओं की छवि केवल आश्रमों में नहीं बनती, बल्कि कैमरों, वायरल वीडियो, भक्त-प्रचार और डिजिटल अभियानों के माध्यम से तैयार की जाती है।

आप का | नजरीया

इबोला का 'मृत्यु-काल'

कोरोना वैश्विक महामारी का खौफ, तनाव और मौत का भय आज भी हम महसूस करते हैं, लेकिन इबोला वायरस ने नए 'स्वास्थ्य आतंकवाद' का भाव पैदा कर दिया है। अब इबोला सिर्फ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि 10 अन्य अफ्रीकी देश संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। अकेले कांगो में ही करीब 200 मौतें हो चुकी हैं। मौत का कुल आंकड़ा अभी तक 250 के करीब बताया जा रहा है और करीब 1000 लोग संदिग्ध मरीज बताए जा रहे हैं। ये आंकड़े सरकारी हैं, हकीकत नहीं हैं, क्योंकि संदिग्ध मरीजों में से कितने स्वस्थ हो गए हैं अथवा कितनों की मौत हो चुकी है, इसका कोई भी डाटा सामने नहीं है। इस त्रासद स्थिति से पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इबोला वायरस और संक्रमण को 'वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित कर दिया था। भय, तनाव, असहाय स्थितियां इसलिए भी हैं, क्योंकि अभी तक इबोला 'लाइलाज' है। दुनिया में एक भी टीका या गोली अथवा कैप्सूल ऐसा नहीं है, जो इबोला का इलाज कर सके, लिहाजा इस संक्रमण से मौत की संभावनाएं 25-80 फीसदी तक हैं, यह विशेषज्ञ चिकित्सकों का मानना है। लिहाजा हम मौजूदा दौर को आदमी का 'मृत्यु-काल' मानते हैं। हालांकि सीरम इंस्टीट्यूट, पुणे और ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से इबोला के टीके पर प्रयोग कर रहे हैं। उन्हें भरोसा है कि आगामी 6 माह में एक कारगर टीका विश्व-बाजार में होगा। सीरम और ऑक्सफोर्ड यूनि. ने कोरोना के टीके 'कोविशील्ड' का व्यापक स्तर पर उत्पादन किया, नतीजतन करोड़ों मरीज स्वस्थ हुए और अंततः कोरोना गायब हो सका। उस टीके का आविष्कार ऑक्सफोर्ड ने किया था, लेकिन सीरम ने उसे विश्व स्तर पर उत्पादित किया। बहरहाल अब रूस का भी दावा है कि उसके विशेषज्ञ डॉक्टर और शोधकर्ता भी इबोला के टीके पर काम कर रहे हैं। बहुत जल्द इबोला का टीका बाजार में आ सकता है! इबोला वायरस और संक्रमण के अधिकतर लक्षण एक-समान लगते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, त्वचा पर चकत्ते, उल्टी, दस्त, थकान, बेहद कमजोरी, गले में खराश आदि इबोला वायरस के भी शुरुआती लक्षण हैं। आंख, नाक, कान या मल-मूत्र के रास्ते आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव होना भी महत्वपूर्ण लक्षण है। इबोला से संक्रमित जानवरों (चमगादड़ या बंदर) का मांस खाने से भी यह संक्रमण फैलता है। इसका संक्रमण इतना भयावह है कि यूरोपीय देशों, अमरीका, भारत आदि को 'हाई अलर्ट' घोषित और लागू करना पड़ा है। कनाडा ने तो कुछ समय के लिए वीजा जारी करने पर ही रोक लगा दी है। हालांकि भारत में अभी तक इबोला संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है, लेकिन हवाई अड्डों पर विशेष जांच और निगरानी जारी है। संक्रमण के लक्षण पाए जाने के बाद 'आइसोलेशन' (अलग-थलग रखना) का प्रोटोकॉल भी शुरू कर दिया गया है। अफ्रीकी देशों में ही तीन बार इबोला वायरस का संक्रमण फैल चुका है, जिनमें 11,000 से अधिक मौतें हुईं। 1976 से यह वायरस महसूस किया जा रहा है, लेकिन देश घातक, संहारक हथियार तो खरीद कर जमा कर सकते हैं, लेकिन इबोला-रोधी टीके पर आज तक अनुसंधान निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाया, यह भी त्रासद विडंबना ही है। समस्या यह है कि कांगो, युगांडा, सूडान सरीखे देशों में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचा बेहद सीमित है, लिहाजा अस्पताल इबोला के संक्रमित या संदिग्ध मरीजों से पटे हुए हैं। कई अस्पतालों में मरीजों के भागने की खबरें भी सामने आई हैं, क्योंकि अस्पतालों में पर्याप्त, उचित, संतोषजनक इलाज ही उपलब्ध नहीं था। गौरतलब यह है कि इबोला वायरस किसी एक अंग तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) को कमजोर करता है। इसके मुख्य निशाने लिवर, गुर्दे (किडनी), फेफड़े और रक्त वाहिकाएं आदि हैं।

तनाव और मौत का भय आज भी हम महसूस करते हैं, लेकिन इबोला वायरस ने नए 'स्वास्थ्य आतंकवाद' का भाव पैदा कर दिया है। अब इबोला सिर्फ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि 10 अन्य अफ्रीकी देश संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। अकेले कांगो में ही करीब 200 मौतें हो चुकी हैं। मौत का कुल आंकड़ा अभी तक 250 के करीब बताया जा रहा है और करीब 1000 लोग संदिग्ध मरीज बताए जा रहे हैं। ये आंकड़े सरकारी हैं, हकीकत नहीं हैं, क्योंकि संदिग्ध मरीजों में से कितने स्वस्थ हो गए हैं अथवा कितनों की मौत हो चुकी है, इसका कोई भी डाटा सामने नहीं है। इस त्रासद स्थिति से पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इबोला वायरस और संक्रमण को 'वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित कर दिया था। भय, तनाव, असहाय स्थितियां इसलिए भी हैं, क्योंकि अभी तक इबोला 'लाइलाज' है। दुनिया में एक भी टीका या गोली अथवा कैप्सूल ऐसा नहीं है, जो इबोला का इलाज कर सके, लिहाजा इस संक्रमण से मौत की संभावनाएं 25-80 फीसदी तक हैं, यह विशेषज्ञ चिकित्सकों का मानना है। लिहाजा हम मौजूदा दौर को आदमी का 'मृत्यु-काल' मानते हैं। हालांकि सीरम इंस्टीट्यूट, पुणे और ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से इबोला के टीके पर प्रयोग कर रहे हैं। उन्हें भरोसा है कि आगामी 6 माह में एक कारगर टीका विश्व-बाजार में होगा। सीरम और ऑक्सफोर्ड यूनि. ने कोरोना के टीके 'कोविशील्ड' का व्यापक स्तर पर उत्पादन किया, नतीजतन करोड़ों मरीज स्वस्थ हुए और अंततः कोरोना गायब हो सका।

कुछ | अलग

कॉकरोच ने बड़ा दुख दीना...

सचमुच में इस कॉकरोच ने जीना हराम कर दिया है। पहले तो किचन और बाथरूम से कॉकरोच खत्म नहीं हो रहे थे और अब फेसबुक इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर पहुंच गए हैं। यानी सोशल मीडिया में भी कॉकरोच ने कब्जा कर लिया है। कोई हिट कारगर साबित नहीं हो रही। जितने कॉकरोच मारता हूं...जितने कॉकरोच ब्लॉक करता हूं, उतने ही कॉकरोच और बढ़ जाते हैं, नई समस्या खड़ी हो गई है। इतनी समस्या तो महंगाई से भी नहीं हुई। इतनी समस्या पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दाम से भी नहीं हुई। इतनी समस्या तो रसोई गैस की कमी से भी नहीं हुई। इतनी समस्या तो सोने के दाम बढ़ने से भी नहीं हुई। इतनी समस्या तो नेताजी की वादा खिलाफी से भी नहीं हुई, जितनी समस्या इन कॉकरोचों ने खड़ी कर दी है। दिन हो या रात, सुबह हो या शाम बस कॉकरोच निरंकुश होकर घूम रहे हैं जैसे देश में लोकतंत्र नहीं, कॉकरोचों का ही साम्राज्य हो। पहले कॉकरोच सिर्फ नाली में मिलते थे। अब ज्ञान की नाली में भी तैर रहे हैं। किचन वाले कॉकरोच तो फिर भी शरीफ थे। रोटी देखते थे और भाग जाते थे। ये सोशल मीडिया वाले कॉकरोच बड़े खतरनाक निकले। ये आदमी को देखकर दौड़े चले आते हैं। जैसे ही मोबाइल खोला नहीं कि एक कॉकरोच कमेंट बॉक्स से निकल पड़ा- 'सर आपकी जानकारी गलत है।' दूसरा बोला- 'पहले खुद पढ़ लो।' तीसरा बोला- 'यह सब फेक है।' चौथा बोला- 'मैं पंद्रह साल से ज्योतिष कर रहा हूं।' अब आदमी समझ नहीं पा रहा कि ज्योतिषी ज्यादा हो गए हैं या कॉकरोच। पहले मोहल्ले में एक पंडित होता था। पूरा मोहल्ला उसी से कुंडली दिखाता था। अब हर दूसरा कॉकरोच रील बनाकर ग्रहों को उल्टा-सीधा घुमा रहा है।

दृष्टि | कोण

युवाओं को तंबाकू से दूर रखने का संकल्प लें

हर वर्ष 31 मई को पूरे विश्व में विश्व तंबाकू निषेध दिवस (वर्ल्ड नो टोबैको डे) मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों के प्रति जागरूक करना तथा तंबाकू के उपयोग को कम करने के लिए प्रभावी नीतियों को बढ़ावा देना है। इस दिवस की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वर्ष 1987 में की थी। आज तंबाकू सेवन विश्वभर में मृत्यु और बीमारियों का एक प्रमुख कारण बन चुका है, जिससे लाखों लोग हर वर्ष असमय अपनी जान गंवा रहे हैं। तंबाकू कई रूपों में उपयोग किया जाता है, जैसे सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, खैनी, जर्दा, हुक्का आदि। इनमें उपस्थित निकोटीन नामक रसायन अत्यधिक नशे की लत पैदा करता है, जिससे व्यक्ति धीरे-धीरे इसका आदी हो जाता है। तंबाकू सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियां होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष विश्व में लगभग 80 लाख लोग तंबाकू के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इनमें से लगभग 13 लाख लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करते, लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने से प्रभावित होते हैं। भारत में भी तंबाकू सेवन एक गंभीर समस्या है। ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के अनुसार भारत में लगभग 28.6 फीसदी वयस्क आबादी किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करती है। देश में हर वर्ष लगभग 13 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, विशेषकर तब जब युवा और किशोर वर्ग तेजी से इसकी चपेट

में आ रहे हैं। आजकल फिल्मों, सोशल मीडिया और साथियों के प्रभाव से कई युवा तंबाकू सेवन को फैशन या तनाव दूर करने का साधन मान बैठते हैं। स्कूल और कॉलेज के छात्र गुटखा, सिगरेट और वेपिंग जैसे उत्पादों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। कम उम्र में शुरू हुई यह आदत आगे चलकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनती है और शिक्षा व करियर पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है। तंबाकू केवल स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति पर भी भारी बोझ डालता है। गरीब परिवारों में कमाई का बड़ा हिस्सा तंबाकू पर खर्च हो जाता है, जिससे शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतें प्रभावित होती हैं। सरकार को भी तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। भारत सरकार ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए हैं। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है। तंबाकू उत्पादों के पैकेटों पर बड़े चेतावनी चित्र लगाए जाते हैं। स्कूलों और अस्पतालों के आसपास तंबाकू बिक्री पर रोक लगाई गई है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, विद्यालय और समाज को भी आगे आकर युवाओं को तंबाकू से दूर रखने के लिए प्रेरित करना होगा। शिक्षकों और अभिभावकों को बच्चों के साथ खुलकर संवाद करना चाहिए और उन्हें तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। सरकार को भी तंबाकू से होने वाली बीमारियों के इलाज पर हर वर्ष हजारों करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते हैं। यदि यही धन विकास और शिक्षा में लगाया जाए तो समाज को अधिक लाभ मिल सकता है। भारत सरकार ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा लखनऊ : रक्षा मंत्री राजनाथ

लखनऊ (हिंस)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ शनिवार को लखनऊ के सीजी सिटी में 19 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित *नौसेना शौर्य वाटिका* का लोकार्पण किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव का प्रतीक बन रहा है। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका लखनऊ के लिए एक प्रेरणा स्थल और लखनऊ की पहचान बनेगी। यह शौर्य वाटिका केवल बनावट का नमूना भर नहीं है यह हमें सेनाओं के संघर्ष और योगदान को स्मरण कराएगी। रक्षामंत्री ने घोषणा की कि यहां पर पनडुब्बी भी आयेगी। बच्चों व परिवारों को यहां लेकर जरूर आएं, ताकि सेना के शौर्य से परिचित हो सकें। राजनाथ ने कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र कभी निर्यात के लिए नहीं जाना जाता था। हम हथियार बाहर से ही आयात करते थे। अब भारत का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भर होने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 2014 से पहले भारत एक हजार करोड़ के रक्षाक्षेत्र से जुड़े कल पुर्जे ही निर्यात करता था। अब 40 हजार करोड़ के हथियार हम दुनिया के अन्य देशों में निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ताकतवर तभी कहलायेगा जब हथियाओं के निर्माण में हम आत्मनिर्भर होंगे। हम भारतीय सेनाओं के लिए अत्याधुनिक हथियार भारत में ही बना रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि जो राष्ट्र अपनी सेनाओं का सम्मान करता है वही राष्ट्र दुनिया में सम्मान पाता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ जिंदगी में हमारे सैनिकों का बलिदान व संघर्ष पीछे छूट जाता है इसलिए शौर्य वाटिका के माध्यम से हम सेना के शौर्य व पराक्रम को देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सुरक्षा हमारी सेनाएं ही दे पाती हैं। हमारा देश तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है। हिंद महासागर से हमारी अर्थव्यवस्था व व्यापार जुड़ा है। समुद्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी नेवी के पास ही होती है। उन्होंने कहा कि गोमती नदी लखनऊ की जीवन धारा है। लखनऊ और गोमती का नाता हमारा नेवी के साथ है। इसके नाम से एक युद्धपोत हमारे देश में है। 1988 में इसे सेना में शामिल किया गया था। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ऊंचाई छू रहा है। उप्र अब लहलहा रहा है, जगमगा रहा और तेजी से आगे बढ़ रहा है। शौर्य वाटिका निर्माण के लिए सहयोग करने के लिए रक्षामंत्री ने मुख्यमंत्री योगी का आभार जताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ आने वाला कोई भी व्यक्ति यहां भारत की परंपरा, विरासत तथा सुरक्षा से जुड़े किसी केंद्र का भ्रमण कर सकता है और उस पर गौरव की अनुभूति कर सकता है। इसी श्रृंखला में *नौसेना शौर्य वाटिका* एक नए केंद्र के रूप में यहां स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि जब भारत का सैनिक माइनस डिग्री टेंपरेचर पर, रेगिस्तान की झुलसती गर्मी में एवं समुद्री लहरों का मुकाबला करते हुए देश की रक्षा करता है, तब 140 करोड़ भारतवासी चैन की नींद सोता है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि नौसेना शौर्य वाटिका भारतीय नौसेना के वीर सौनिकों को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल है। यह संग्रहालय युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव की भावना को भी प्रबल करेगा और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। भारतीय नौसेना एवं उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकसित यह परियोजना अत्याधुनिक ओपन एयर म्यूजियम एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर के रूप में तैयार की गई है। आगंतुक इस संग्रहालय को देखकर नौसेना के कर्तव्य एवं पराक्रम पर गर्व करेंगे। नौसेना शौर्य वाटिका में भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त युद्धपोत आईएनएस गोमती को स्थापित किया गया है, जो कि आकर्षण का मुख्य केंद्र होगा।

राष्ट्रीय कार्यशाला में देशभर के 75 रेल अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

कोटा (हिंस)। पश्चिम मध्य रेलवे की वैगन रिपेयर शॉप, कोटा मे बोगी टैंक पेट्रोल एवं नेफ्ता (बीटीपीएन) एवं बीटीपीजीएलएन टैंक वैगनों के अनुरक्षण, डिजाइन सुधार एवं नवीन तकनीकी संशोधनों पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भारतीय रेल के विभिन्न जोनों एवं मंडलों से आए लगभग 75 अधिकारियों, पर्यवेक्षकों तथा तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया, जो टैंक वैगनों के अनुरक्षण एवं परिचालन गतिविधियों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की यह कार्यशाला वैगन रिपेयर शॉप, कोटा के मुख्य कारखाना प्रबंधक सुधीर सरवरिया के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यक्रम में अनुसंधान, अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) के निदेशक संजय कुमार तथा रेलवे बोर्ड के उप निदेशक (मुख्य यांत्रिक अभियंता/माल) अमर देव प्रताप सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस अवसर पर उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (प्रथम) दिलीप सिंह मीणा, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (द्वितीय) पुरुषोत्तम मीणा, वर्क्स मैनेजर राजेश पटेल एवं सहायक वर्क्स मैनेजर अंकित तिवारी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने टैंक वैगनों के अनुरक्षण से संबंधित नवीनतम तकनीकी निर्देशों, डिजाइन सुधारों तथा सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रखरखाव के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य टैंक वैगनों के अनुरक्षण से जुड़ी नवीनतम तकनीकों और दिशा-निर्देशों का व्यापक प्रसार, विभिन्न रेल इकाइयों के बीच सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान तथा फील्ड स्तर से प्राप्त अनुभवों और सुझावों के आधार पर डिजाइन सुधारों की संभावनाओं पर चर्चा करना था। इस दौरान तकनीकी व्याख्यान, विशेषज्ञ प्रस्तुतियां, व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र तथा आरओएच एवं पीओएच अनुरक्षण प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी किया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को बीटीपीएन वैगनों में हाल ही में लागू किए गए नवीन संशोधनों, उनके विभिन्न घटकों की कार्यप्रणाली तथा उनसे प्राप्त होने वाले परिचालन एवं अनुरक्षण संबंधी लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि इन संशोधित वैगनों के बड़े पैमाने पर परिचालन में आने के साथ ही सभी अनुरक्षण इकाइयों एवं कार्यशालाओं को आवश्यक तकनीकी दक्षता, प्रशिक्षित मानव संसाधन एवं आधुनिक उपकरणों के साथ तैयार रहना होगा। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले टैंक वैगन अनुरक्षण को भारतीय रेल की माल परिवहन प्रणाली की मजबूती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इस दिशा में निरंतर तकनीकी उन्नयन और ज्ञान-साझाकरण की आवश्यकता पर बल दिया।

ईमानदारी और पारदर्शिता ही सुशासन की पहचान : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प को साकार करने में कार्मिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना से किया गया कार्य ही सुशासन की वास्तविक पहचान बनता है। उन्होंने कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे भ्रष्ट आचरण के दलदल से दूर रहकर जनसेवा को अपना सर्वोच्च ध्येय बनाएं और जनता को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री शनिवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के नवम महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कर्मचारी कल्याण स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *न खाऊंगा और न खाने दूंगा* के मूलमंत्र को आधार बनाकर प्रदेश में कठोर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 103 अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है, जबकि 6 अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त किया गया है। साथ ही 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई गई है। इसके अतिरिक्त रिश्वत, ट्रैप, पद के दुरुपयोग और आय से अधिक संपत्ति के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी गई है। वहीं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य मामलों में भी सख्त कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी शहर की पहचान उसकी स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से होती है। प्रदेश के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने में नगर पालिका कर्मचारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में जयपुर ग्रेटर नगर निगम ने पूरे देश में 16वां स्थान हासिल किया है, जबकि 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों में उदयपुर 13वें स्थान पर रहा। उन्होंने कहा कि अब लक्ष्य राजस्थान के शहरों को देश में स्वच्छता के मामले में अग्रणी बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इस अभियान ने लोगों की स्वच्छता संबंधी आदतों में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि घर-घर शौचालय निर्माण से महिलाओं को गरिमा मिली है। साथ ही स्मार्ट सिटी मिशन के जरिए शहरों में आधारभूत ढांचे और नागरिक सुविधाओं का व्यापक विकास किया जा रहा है।

जब चाय पर बुलाना था, तब पूर्व सीएम चर्चा से भागते रहे : शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री का पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बिना नाम लिए तंज

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर उनका नाम लिए बगैर तंज कसा। पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए चाय के निमंत्रण और राजनीतिक तंज पर शेखावत ने पलटवार करते हुए कहा कि जब चाय पर बुलाने की जरूरत थी, जब वो राजस्थान के मुख्यमंत्री थे, राजस्थान को जल जीवन मिशन में सबसे ज्यादा संसाधन दिए गए थे, उस समय में चाय पर बुलाकर बात करने की, चर्चा करने का विषय था, चर्चा करने की आवश्यकता भी थी, लेकिन तब तिथियों पर तिथियां तय करने के बाद भी वो निरंतर भागते रहे। चाय पर बुलाने के बजाय कहीं और मुझे भेजने की कोशिश करते रहे, लेकिन नाकामयाब हुए। उसकी खिसियाट अभी भी शायद बाकी है। शेखावत शनिवार को सुबह दिल्ली से अपने गृह नगर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल से संबंधित विकास कार्यों की शुरुआत को लेकर पूछे सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय इसके लिए लगातार प्रयासरत है। वर्तमान में कुछ तकनीकी और छोटे-मोटे विषय शेष हैं, जिन्हें शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री की उपलब्धता के आधार पर इसके उद्घाटन की तिथि निर्धारित की जा रही है, जिसके बाद इसे जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। आरएलपी कार्यकर्ताओं और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से जुड़े एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की किसी घटना की गुंजाइश है। न इस तरह के किसी कृत की स्वीकारता है। शब्दों की मर्यादा सभी को बनाकर रखनी चाहिए। जिस तरह बयानबाजी हो रही है, जिस तरह के शब्दों का प्रयोग हो रहा है, वो शब्दों का प्रयोग चाहे कोई भी करे, सबको अपने शब्दों की मर्यादा और शब्दों का सम्मान बना करके रखना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में पर्यटन से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से वहां के हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। कश्मीर के जमीनी बदलाव को शब्दों में बयां करना वैसे ही कठिन है, जैसे नीम की पत्ती के स्वाद को समझाना। इसे महसूस करने के लिए वहां जाना होगा। उन्होंने कहा कि आज पूरा कश्मीर पर्यटकों से अटा पड़ा है। पिछले वर्ष की कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद जहां पहलगाम के पर्यटन को झटका लगा था, वहीं आज पहलगाम एक बार फिर देश-विदेश के सैलानियों की चहल-पहल और रौनक से गुलजार है। जोधपुर में पर्यटकों की बढ़ती संख्या पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ समय में हवाई जहाजों के फेरे बढ़े हैं, नया रेल नेटवर्क स्थापित हुआ है और सड़कों का कायाकल्प हुआ है। इस बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ और देश की मजबूत होती अर्थव्यवस्था के कारण ही आज पर्यटन क्षेत्र तेजी से गति पकड़ रहा है, जिसका सीधा लाभ स्थानीय विकास और अर्थव्यवस्था को मिल रहा है। ब्लू सिटी की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि यह केवल सरकार का काम नहीं है, बल्कि इससे कहीं अधिक समाज और आम नागरिकों की चिंता का विषय होना चाहिए। हम सभी जोधपुर वासियों को मिलकर अपनी अनमोल धरोहर की शुचिता और संस्कृति को अक्षुण्ण रखने के लिए आगे आना होगा। इसके लिए जनप्रतिनिधियों को आमजन के बीच जागरुकता बढ़ानी होगी।

जालंधर के आरटीआई कार्यकर्ता सिमरनजीत सिंह की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

जालंधर/फगवाड़ा (हिंस)। जालंधर के चर्चित आरटीआई कार्यकर्ता सिमरनजीत सिंह की शनिवार दोपहर फगवाड़ा के चहेड़ू गांव स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के लॉ गेट के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि बाइक सवार दो युवकों ने उन पर नजदीक से ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सिमरनजीत सिंह पर करीब एक वर्ष पहले भी जालंधर के मॉडल टाउन स्थित एक जिम के बाहर हथियारबंद हमलावरों ने हमला किया था। हालांकि उस समय वह बच निकलने में सफल रहे थे। उस घटना के बाद जालंधर सिटी पुलिस ने उन्हें सुरक्षा के लिए दो गनमैन उपलब्ध कराए थे, लेकिन घटना के समय वह कथित तौर पर बिना सुरक्षा कर्मियों के मौजूद थे। सिमरनजीत सिंह पिछले एक दशक से अधिक समय से विभिन्न मामलों में सक्रिय थे। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट, पंजाब पुलिस और प्रवर्तन निदेशालयके समक्ष कई शिकायतें और याचिकाएं दायर की थीं। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े कुछ दस्तावेज भी ईडी को उपलब्ध कराए थे। संजीव अरोड़ा फिलहाल जेल में बंद हैं। आदर्श नगर निवासी सिमरनजीत सिंह का अपनी पहली पत्नी से तलाक हो चुका था और उन्होंने हाल ही में दूसरी शादी की थी। जालंधर रेंज के डीआईजी नवीन सिंगला ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही सतनामपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। जांच के दौरान घटनास्थल से एक .32 बोर की पिस्तौल बरामद की गई, जबकि घटनास्थल के नजदीक खड़ी एक फॉर्च्यूनर गाड़ी से .12 बोर की राइफल भी बरामद हुई है।

राजस्थान में बढ़ा *ईज ऑफ डूइंग बिजनेस* का ग्राफ एक माह में 6,103 निवेश आवेदनों को मिली मंजूरी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान सरकार द्वारा निवेश को प्रोत्साहन देने और *ईज ऑफ डूइंग बिजनेस* को मजबूत बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास लगातार सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। *डी-रेग्यूलेशन फेज-1* के तहत प्रदेश में निवेश प्रक्रियाओं के सरलीकरण और समयबद्ध स्वीकृतियों से राजस्थान निवेशकों के लिए तेजी से पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। मुख्य सचिव कार्यालय के अधीन गठित *डिरेगुलेशन सेल* द्वारा जारी अप्रैल की मासिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार राज निवेश पोर्टल पर प्राप्त 9 हजार 10 आवेदनों में से 6 हजार 103 आवेदनों को स्वीकृति दी गई। इस प्रकार प्रदेश की कुल स्वीकृति दर 67.7 प्रतिशत रही है। रिपोर्ट के अनुसार राजधानी जयपुर का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा, जहां सबसे अधिक 1 हजार 351 आवेदनों को मंजूरी दी गई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निवेश संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने, आवेदनों के त्वरित निस्तारण और उद्योगों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि *इंवेस्टर फ्रेंडली एप्रोच* और विकेंद्रीकृत क्रियान्वयन के कारण छोटे जिलों में भी निवेश प्रस्तावों के निस्तारण में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव कार्यालय के अंतर्गत गठित डिरेगुलेशन सेल द्वारा प्रत्येक माह निवेश प्रस्तावों की समीक्षा कर विस्तृत प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाती है, जिससे विभागीय जवाबदेही और कार्यक्षमता दोनों में सुधार हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में जयपुर जिले में सबसे अधिक 1 हजार 932 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1 हजार 351 को मंजूरी दी गई। इसके अलावा जोधपुर, सीकर, अजमेर, बीकानेर, कोटा, हनुमानगढ़, अलवर, चूरू और भीलवाड़ा जैसे औद्योगिक और शहरी जिलों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। स्वीकृति दर के मामले में कोटा और हनुमानगढ़ ने विशेष उपलब्धि हासिल की। कोटा में 83.8 प्रतिशत और हनुमानगढ़ में 82.5 प्रतिशत आवेदनों को मंजूरी मिली। वहीं बारां, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, टोंक, उदयपुर और जालोर जिलों में भी 70 प्रतिशत से अधिक स्वीकृति दर रही। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि राजस्थान में पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ नए और उभरते सेक्टर्स में भी निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ रही है। अप्रैल माह में आयुष, एग्रो-प्रोसेसिंग, रक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में विभिन्न जिलों से निवेश आवेदन प्राप्त हुए। सेक्टरवार विश्लेषण में पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। जयपुर, उदयपुर, पाली, राजसमंद और सीकर सहित कई जिलों में होटल, रिसॉर्ट और पर्यटन आधारित परियोजनाओं में निवेश रुचि देखने को मिली। इसके अलावा अलवर और कोटपूतली-बहरोड़ में इंजीनियरिंग सेक्टर, विभिन्न जिलों में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं, अजमेर और भीलवाड़ा में वेस्ट मैनेजमेंट तथा जोधपुर में टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश प्रस्तावों ने भी गति पकड़ी है। राज्य सरकार का मानना है कि *डी-रेग्यूलेशन फेज-1* के माध्यम से उद्योगों और निवेशकों को बेहतर माहौल प्रदान कर राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी निवेश राज्य बनाया जा सकता है। प्रक्रियाओं की पारदर्शिता, ऑनलाइन स्वीकृति व्यवस्था और त्वरित निर्णय प्रणाली से उद्योग जगत का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पुत्री पहुंची आगरा, पति के साथ ताज का किया दीदार

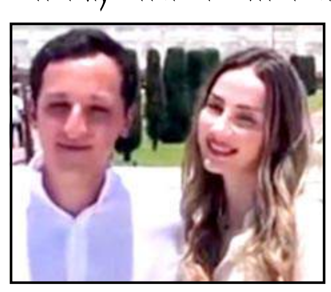

आगरा (हिंस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पुत्री टिफनी ट्रंप अपने पति के साथ शनिवार को उत्तर प्रदेश के आगरा पहुंचीं और ताजमहल का दीदार किया। इस दौरान भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी साथ रहे और विश्व प्रसिद्ध ताजमहल की खूबसूरती को निहारा। टिफनी ट्रंप बिजनेसमैन पति माइकल के साथ शनिवार को पूर्वाह्न करीब 11-15 बजे आगरा सिविल एयरपोर्ट पहुंचीं। एयरपोर्ट से टिफनी सीधा थाना ताजगंज क्षेत्र के एक पांच सितारा होटल पहुंचीं। यहां अल्प समय विश्राम के बाद होटल से सीधे शिल्प ग्राम पहुंचीं। शिल्पग्राम से बैटरी चलित गोल्फ कार्ट के जरिए पति के साथ ताजमहल के पूर्वी गेट पर पहुंचकर पैदल ताजमहल परिसर में प्रवेश किया। ट्रंप की पुत्री और उनके पति विश्व प्रसिद्ध धरोहर ताजमहल की खूबसूरती को देखकर गदगद दिखे। इस खूबसूरती को उन्होंने कैमरे में भी कैद किया। डायना बेंच पर बैठकर दोनों ने फोटो खिंचवाए। हालांकि टिफनी ट्रंप का ताजमहल देखने का कार्यक्रम आज शाम का था, लेकिन आगरा में आज मौसम अच्छा और कम गर्मी को देखते हुए कार्यक्रम में तब्दीली कर इसको दोपहर की तेज धूप से पहले ही बना लिया गया। टिफनी करीब 12 बजे ताजमहल पहुंच गईं और लगभग 35 मिनट ताजमहल की खूबसूरती निहारने के बाद वह ताजमहल से सीधे होटल के लिए प्रस्थान कर गईं।

अनुच्छेद 370 से राम मंदिर तक, भाजपा ने अपने वादों को किया पूरा : संजय सरावगी

पटना (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत जहानाबाद में आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो सत्ता प्राप्ति के बाद भी अपनी विचारधारा, नीतियों और घोषणापत्र में किए गए वादों को नहीं भूलती, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने के लिए निरंतर कार्य करती है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद भी आर्थिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा, बुनियादी ढांचे के विकास तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। केंद्र की सरकार ने सत्ता में आने के बाद इन संकल्पों को योजनाओं, कार्यक्रमों और कानूनों के माध्यम से प्रभावी रूप से लागू किया है। यही कारण है कि आज देश विकास और आत्मविश्वास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। आतंकवाद, नक्सलवाद और घुसपैठ के खिलाफ सख्त नीतियां अपनाई गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप देश की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति भाजपा के प्रमुख वैचारिक संकल्पों में शामिल थी, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इससे जम्मू-कश्मीर के विकास और राष्ट्रीय एकीकरण को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में भी भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने, वित्तीय समावेशन को मजबूत करने तथा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किए गए प्रयासों के कारण भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है और शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि भाजपा केवल विकास की राजनीति नहीं करती, बल्कि देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का विकास तथा देशभर के अनेक सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार भाजपा की वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं का वैचारिक रूप से प्रशिक्षित और जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण वर्गों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यप्रणाली और जनसेवा के मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा केंद्र और राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवाओं को रोजगार देने और पेपर लीक रोकने में पूरी तरह विफल है भाजपा सरकार : पंकज अवाना

आम आदमी पार्टी यूथ विंग संगठन नवनिर्माण बैठक संपन्न, वासिफ इसरार बने प्रदेश महासचिव

लखनऊ (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) यूथ विंग उत्तर प्रदेश द्वारा शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर संगठन नवनिर्माण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना ने की। बैठक में संगठन विस्तार, प्रदेश के युवाओं से जुड़े मुद्दों तथा आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से वासिफ इसरार को आम आदमी पार्टी यूथ विंग उत्तर प्रदेश का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया। बैठक में प्रदेश भर में संगठन को मजबूत करने तथा बेरोजगारी और लगातार हो रहे पेपर लीक के खिलाफ संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए यूथ विंग प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना ने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने तथा निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने में पूरी तरह असफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नीट, एसएससी सहित 93 से अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली के आरोप सामने आए हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। वर्षों तक तैयारी करने वाले छात्र आज अपने भविष्य को लेकर असुरक्षा और निराशा का सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार समस्या का समाधान करने के बजाय उसे छिपाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश का युवा रोजगार की तलाश में इधर-उधर भटकने को मजबूर है। सरकारी नौकरियों में लगातार देरी, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताएं और पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं का विश्वास तोड़ा है। भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। प्रदेश के लाखों शिक्षित युवा नौकरी की प्रतीक्षा में अपनी उम्र और अवसर दोनों गंवा रहे हैं। पंकज अवाना ने कहा कि एक तरफ बेरोजगारी चरम पर है तो दूसरी तरफ महंगाई लगातार बढ़ रही है। आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं और अब उत्तर प्रदेश सरकार बिजली दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है। इससे आम जनता, छात्रों और युवाओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। भाजपा सरकार जनहित के मुद्दों पर काम करने के बजाय जनता की जेब पर लगातार भार बढ़ा रही है। सर्वसम्मति से प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर वासिफ इसरार ने पार्टी नेतृत्व और सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जवाबदेही भी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा आज बेरोजगारी, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। आम आदमी पार्टी यूथ विंग युवाओं के अधिकारों, रोजगार और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था के लिए लगातार संघर्ष करती रही है और आगे भी पूरी मजबूती के साथ उनकी आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश के सभी आठों प्रांतों में संगठन विस्तार अभियान चलाया जाएगा तथा अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़कर उनके मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। यूथ विंग गांव, कस्बों और शहरों तक संगठन को मजबूत करते हुए युवाओं के हितों की लड़ाई को और व्यापक बनाएगी। पंकज अवाना ने कहा कि आम आदमी पार्टी यूथ विंग प्रदेश के युवाओं की आवाज बनकर लगातार संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। बेरोजगारी, पेपर लीक, भर्ती घोटालों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर पार्टी सड़क से लेकर सदन तक युवाओं की लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्होंने घोषणा की कि आने वाले समय में आम आदमी पार्टी यूथ विंग उत्तर प्रदेश के सभी आठों प्रांतों में संगठनात्मक बैठकें आयोजित कर संगठन विस्तार अभियान चलाएगी और अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर उनकी समस्याओं को मजबूती से उठाएगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अगले कुछ हफ्तों में होगा: राजदूत गोर

समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि दल अगले सप्ताह नई दिल्ली आएगा

नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में घोषणा की है कि भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता अगले कुछ हफ्तों और महीनों में अंतिम रूप ले लेगा और उस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। यह जानकारी उन्होंने यूएस-इंडिया ट्रस्ट इनिशिएटिव में अनुसंधान और नवाचार में साझेदारी को बढ़ावा देने के मुद्दे पर दी, जहां उन्होंने दोनों देशों के बीच नवाचार और निवेश से प्रेरित रणनीतिक साझेदारी पर भी जोर दिया। राजदूत गोर ने बताया कि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की एक उच्चस्तरीय दल अगले सप्ताह नई दिल्ली पहुंच रहा है, ताकि व्यापार के अंतिम एक प्रतिशत पर चर्चा और निर्णय लिया जा सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका और भारत एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में बने हुए हैं। गोर ने कहा, महत्वपूर्ण बात यह है कि यह डिजिटल व्यापार और उन्नत विनिर्माण से लेकर ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों तक, नवाचार, निवेश और उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों द्वारा तेजी से संचालित हो रहा है। उन्होंने बताया कि व्यापार में यह वृद्धि न केवल दोनों देशों की बड़ी कंपनियों को लाभ पहुंचा रही है, बल्कि स्टार्टअप्स और व्यक्तिगत उद्यमियों की भी मदद कर रही है।

युद्ध के डर से बढ़ी उर्वरक बिक्री, बढ़ी आयात लागत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने के बाद से भारतीय किसानों में उर्वरक की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसके चलते देश में यूरिया और डाई अमोनिया फास्फेट (डीएपी) की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। खरीफ सम्मेलन में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, किसानों द्वारा घबराहट में की गई खरीद, अत्यधिक भंडारण और जमाखोरी के कारण मार्च से मई के बीच यूरिया की बिक्री में लगभग 10 फीसदी और डीएपी की बिक्री में लगभग 39 फीसदी का उछाल आया है। इसके साथ ही, युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरक आयात की लागत में भी भारी वृद्धि हुई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि युद्ध के बाद से यूरिया की दैनिक बिक्री सामान्य 40,000-45,000 टन से दोगुनी होकर लगभग 80,000-85,000 टन हो गई है। 1 मार्च से 25 मई के बीच उपभोक्ताओं ने कुल 50.5 लाख टन यूरिया और 12.4 लाख टन डीएपी खरीदी, जो पिछले साल की इसी अवधि से क्रमशः 4.5 लाख टन और 3.5 लाख टन अधिक है। मुख्य रूप से महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में यह अतिरिक्त खरीद देखी गई है। सरकार ने ऐसे 100 जिलों की पहचान की है जहां उर्वरक की बिक्री सामान्य से बहुत अधिक हुई है, जिन पर नजर रखी जा रही है। युद्ध ने उर्वरक लागत को भी बढ़ा दिया है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई की बहीखाते में रिकार्ड वृद्धि, डिजिटल रुपये को मिलेगा विस्तार, विदेशी मुद्रा लेनदेन से आय में 52 फीसदी उछाल

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने बहीखाते और विदेशी मुद्रा लेनदेन से होने वाली आय में रिकार्ड वृद्धि दर्ज की है। इस शानदार प्रदर्शन के कारण केंद्रीय बैंक ने सरकार को अब तक का सर्वाधिक लाभांश देने की घोषणा की है। साथ ही, आरबीआई देश में केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के उपयोग को व्यापक बनाने और सीमा पार लेनदेन में इसकी संभावनाओं को तलाशने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से आरबीआई की आय लगभग 52 फीसदी बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष 1.11 लाख करोड़ रुपये थी। इस दौरान आरबीआई का कुल बहीखाता 15.72 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 91.97 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक का सरप्लस भी 6.7% बढ़कर 2,86,588.46 करोड़ रुपये रहा। संपत्तियों में यह वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू निवेश (44.9 फीसदी), स्वर्ण भंडार (63.8 फीसदी) और विदेशी निवेश (7.9 फीसदी) में बढ़ोतरी के कारण हुई है। आरबीआई इस वित्त वर्ष में डिजिटल रुपये को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और घरेलू खुदरा क्षेत्र में लागू करने की तैयारी में है। केंद्रीय बैंक सीमा पार लेनदेन में भी सीबीडीसी के उपयोग की संभावनाओं को तलाश रहा है, जिसके लिए सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के केंद्रीय बैंकों के साथ बातचीत जारी है। आरबीआई बैंक फार इंटरनेशनल सेटलमेंट्स की बहुपक्षीय पहलों का भी हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सीबीडीसी के माध्यम से सीमा पार भुगतान को अधिक प्रभावी बनाना है।

एनएफएचएस-6 में मोटापे-मधुमेह का बढ़ता बोझ, प्रगति के साथ चिंता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) के ताजा आंकड़े भारत के बदलते स्वास्थ्य परिदृश्य की एक जटिल तस्वीर पेश करते हैं। जहां एक तरफ देश स्वास्थ्य बीमा कवरेज, टीकाकरण दरों और मातृत्व एवं बाल पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ठोस प्रगति कर रहा है, वहीं दूसरी ओर मोटापा और मधुमेह का बढ़ता प्रसार एक नई और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गया है, जो कुपोषण और संचारी रोगों पर केंद्रित पुरानी व्यवस्था से गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि मोटापे का बढ़ता बोझ अब सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों दृष्टियों से चिंता का विषय है। शरीर का अत्यधिक वजन मधुमेह, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और कैंसर के बढ़ते जोखिम का एक प्रमुख कारक है। एनएफएचएस-5 (2019-21) और एनएफएचएस-6 (2023-24) के बीच मोटापे का प्रसार उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। 15 से 49 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं में मोटापे की शिकार महिलाओं का हिस्सा 24 फीसदी से बढ़कर 30.7 फीसदी हो गया है, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 22.9 फीसदी से बढ़कर 27.3 फीसदी पर पहुंच गया है।

टियागो ईवी के 2026 फेसलिफ्ट माडल के इंटीरियर से पर्दा उठा

नई दिल्ली। कार निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार टियागो ईवी के 2026 फेसलिफ्ट माडल के इंटीरियर से पर्दा उठा दिया है। कंपनी ने इसमें कई ऐसे बदलाव किए हैं, जो इसे एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में और मजबूत बना सकते हैं। नए माडल का केबिन पहले के मुकाबले ज्यादा मार्डर्न, प्रीमियम और फीचर-लोडेड दिखाई दे रहा है। नई टियागो ईवी में सबसे बड़ा बदलाव डुअल स्क्रीन सेटअप के रूप में देखने को मिला है। डैशबोर्ड पर बड़ा लैंडस्केप इंफोटेनमेंट डिस्प्ले दिया गया है, जबकि स्टीयरिंग के पीछे डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर लगाया गया है। इंफोटेनमेंट सिस्टम में वायरलेस एप्पल कारप्ले सपोर्ट भी मिलेगा। डिजिटल डिस्प्ले पर स्पीड, बैटरी रेंज, चार्जिंग स्टेटस, तापमान और समय जैसी जरूरी जानकारियां साफ और आकर्षक तरीके से दिखाई देंगी। स्टीयरिंग व्हील पर आडियो और फोन कंट्रोल के लिए माउंटेड बटन दिए गए हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम नोएडा में बढ़े लखनऊ-पटना को मिली राहत

ब्रेंट क्रूड 91 डालर के करीब पहुंचा, डब्ल्यूटीआई भी फिसला

नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है, जहां ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 91 डालर प्रति बैरल के करीब आ गया है। इस नरमी के बावजूद भारतीय घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के खुदरा दामों पर इसका असर असमान रूप से दिखाई दिया। शनिवार सुबह जारी सरकारी तेल कंपनियों के ताजा अपडेट के अनुसार देश के चारों प्रमुख महानगरों में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, लेकिन कुछ शहरों में इनमें बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं कुछ को हल्की राहत भी मिली है। बीते 24 घंटों में वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 2 डालर फिसलकर 91.12 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जो पहले से ही नरमी का संकेत था। वहीं अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड भी नीचे आया है और अब 87.36 डालर प्रति बैरल के भाव से कारोबार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई यह कमी आमतौर पर घरेलू बाजार में ईंधन के दाम घटाने का संकेत देती है। हालांकि शनिवार को देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत कई शहरों में दाम बदल गए हैं। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पेट्रोल 16 पैसे महंगा होकर 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 12 पैसे बढ़कर 95.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, यूपी की राजधानी लखनऊ में उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, जहां पेट्रोल 15 पैसे सस्ता होकर 101.89 रुपये लीटर और डीजल 17 पैसे घटकर 95.36 रुपये लीटर पर आ गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 4 पैसे की गिरावट के साथ 113.68 रुपये लीटर और डीजल 3 पैसे सस्ता होकर 99.68 रुपये लीटर बिक रहा है।

नौकरियों पर छंटनी, प्रापर्टी पर नहीं, संकट में भी रियल एस्टेट की जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली। ईरान संकट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रसार और नौकरियों में छंटनी जैसे वैश्विक और घरेलू आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, भारतीय रियल एस्टेट बाजार ने अप्रत्याशित लचीलापन दिखाते हुए मजबूत वृद्धि दर्ज की है। एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार देश के 8 प्रमुख शहरों में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान प्रापर्टी की मांग और कीमतों में उल्लेखनीय उछाल आया है, जिसमें आईटी हब बेंगलुरु ने दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े बाजारों को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की है। यह रुझान मजबूत मांग और बाजार की अंतर्निहित स्थिरता का स्पष्ट संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि देश के 8 प्रमुख शहरों में इस साल पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान घरों की औसत कीमतों में सालाना आधार पर 3 से 24 फीसदी तक की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस रिपोर्ट में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), पुणे और दिल्ली-एनसीआर के प्राथमिक आवास बाजार को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक बेंगलुरु में आवास कीमतें 24 फीसदी बढ़कर 9,785 रुपये प्रति वर्ग फुट पहुंच गई, जो सभी प्रमुख शहरों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आईटी सिटी में लगातार बढ़ती प्रापर्टी की डिमांड का परिणाम है, जहां कुछ पाश इलाकों में किराये भी 1 लाख रुपये प्रति माह से ऊपर जा चुके हैं। अन्य प्रमुख शहरों में भी कीमतों में मजबूती देखी गई। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में प्रापर्टी की कीमतें जनवरी-मार्च तिमाही में 20 फीसदी बढ़कर 15,120 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई। दिल्ली-एनसीआर में 18 फीसदी की वृद्धि के साथ औसत कीमत 9,534 रुपये प्रति वर्ग फुट रही, जबकि पुणे और हैदराबाद में क्रमशः 12 फीसदी और 11 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

नए माडल और फेसलिफ्ट वर्जन लान्च करने की तैयारी में मारुति

नई दिल्ली

बाजार में एसयूवी गाड़ियों की बढ़ती मांग को देखते हुए मारुती सुजुकी अपनी एसयूवी रेंज को और मजबूत करने की तैयारी में जुट गई है। मारुति सुजुकी जल्द ही कई नए माडल और फेसलिफ्ट वर्जन लान्च करने जा रही है। इन गाड़ियों की टेस्टिंग लगातार की जा रही है और इनमें आधुनिक फीचर्स के साथ बेहतर माइलेज व सुरक्षा तकनीक देखने को मिल सकती है।

सबसे पहले कंपनी अपनी लोकप्रिय ब्रेजा एसयूवी का फेसलिफ्ट माडल पेश कर सकती है। हाल ही में इसे टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। नई ब्रेजा में बदले हुए बंपर, नए फाग लैंप और आकर्षक अलाय व्हील्स मिलने की संभावना है। इंटीरियर में बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वेंटिलेटेड सीटें और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें फ्रोंक्स वाला 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे कीमत और टैक्स दोनों नियंत्रित रहेंगे। कंपनी अपनी लोकप्रिय फ्रोंक्स एसयूवी का हाइब्रिड माडल भी लाने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि यह गाड़ी करीब 35 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज दे सकती है। इसके अलावा फ्रोंक्स का फ्लेक्स-फ्यूल संस्करण भी तैयार किया जा रहा है, जो ई85 ईंधन पर चलेगा। इसे त्योहारी सीजन के आसपास लान्च किया जा सकता है।

मारुति अपनी ग्रैंड विटारा एसयूवी को भी नए अंदाज में पेश करने वाली है। फेसलिफ्ट माडल में नई ग्रिल, अपडेटेड बंपर, एलईडी लाइट्स और 17 इंच के अलाय व्हील्स देखने को मिल सकते हैं। केबिन में बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से इसमें लेवल-2 एडास तकनीक भी जोड़ी जा सकती है। पैनोरमिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा, हेड्स-अप डिस्प्ले और 6 एयरबैग जैसे प्रीमियम फीचर्स इसमें दिए जा सकते हैं। इसकी संभावित कीमत 18 लाख से 25 लाख रुपये के बीच बताई जा रही है। इसके अलावा कंपनी ग्रैंड विटारा प्लेटफार्म पर आधारित नई 7-सीटर फ्लैगशिप एसयूवी पर भी काम कर रही है। इस गाड़ी में लंबा व्हीलबेस और तीसरी पंक्ति में ज्यादा जगह मिलने की उम्मीद है।

इंडिगो को 2,537 करोड़ का घाटा, विदेशी मुद्रा, ईंधन व युद्ध ने बढ़ाई मुश्किल

नई दिल्ली। प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 2,536.9 करोड़ रुपए का समेकित घाटा दर्ज किया है। कंपनी ने इस घाटे के लिए विदेशी मुद्रा में हुए भारी नुकसान, विमानन ईंधन (एटीएफ) की बढ़ी हुई कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उड़ानों के रद्द होने को मुख्य वजह बताया है। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में एयरलाइन ने 3,067.5 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था। एयरलाइन के अनुसार चौथी तिमाही में अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपये में लगभग 5 फीसदी की कमजोरी आई, जिससे उसे 4,820 करोड़ रुपए का भारी विदेशी मुद्रा घाटा हुआ। मुख्य वित्तीय अधिकारी गौरव नेगी ने स्पष्ट किया कि यह मुख्य रूप से मार्क-टू-मार्केट नुकसान है, जो विमानों की लीज और रखरखाव से संबंधित भविष्य की देनदारियों से जुड़ा है। इसके अलावा पश्चिम एशिया युद्ध के कारण एयरलाइन को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों (लगभग 160 दैनिक उड़ानें) को रद्द करना पड़ा, जिससे परिचालन पर नकारात्मक असर पड़ा। विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 फीसदी और घरेलू स्तर पर 25-30 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई, जिसका पूरा बोझ इंडिगो यात्रियों पर नहीं डाल सकी।

अब खर्च कम, टिकाऊपन ज्यादा, भारतीय नोटों का होगा प्लास्टिक मेकओवर, शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

पटना और मुंबई में हुई आरबीआई की हाल ही में हुई बोर्ड बैठकों में की गई विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश में करेंसी नोटों की लगातार बढ़ती मांग, उनके सीमित जीवनकाल और उच्च उत्पादन लागत की चुनौतियों से निपटने के लिए एक ऐतिहासिक बदलाव पर गंभीरता से विचार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्रीय बैंक अब पारंपरिक कागजी नोटों के स्थान पर प्लास्टिक या पालिमर नोट छापने की संभावनाओं को खंगाल रहा है। पटना और मुंबई में हुई आरबीआई की हालिया बोर्ड बैठकों में इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई है, जिसके बाद जल्द ही आम जनता के लिए प्लास्टिक नोटों के उपयोग का पायलट प्रोजेक्ट शुरू होने की संभावना है। यह कदम न केवल नोटों के जीवनकाल को बढ़ाएगा, बल्कि सरकारी खजाने पर पड़ने वाले बोझ को भी कम करेगा। इस संभावित बदलाव के पीछे मुख्य प्रेरणा लागत और नोटों का टिकाऊपन है। आरबीआई सूत्रों के अनुसार पालिमर नोटों की उत्पादन लागत वर्तमान में चल रहे कागजी नोटों की तुलना में काफी कम होती है। इसके अलावा प्लास्टिक नोट अपनी प्रकृति के कारण कागजी नोटों की तुलना में अधिक समय तक चलते हैं, जो उन्हें रोजमर्रा के उपयोग के लिए अधिक उपयुक्त बनाता है।

भारत तकनीकी रूप से आधुनिक हो चुका है और उम्मीद है कि देश के एटीएम को इन प्लास्टिक नोटों को आसानी से निकालने और स्वीकार करने के लिए आवश्यक अपग्रेड किया जा सकेगा, जैसा कि पहले एक चुनौती थी। कागजी नोटों की समस्या: बर्बादी और भारी खर्च वर्तमान कागजी नोटों का कम जीवनकाल एक गंभीर समस्या है। वे नमी, फटने और सामान्य टूट-फूट के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जिससे वे तेजी से खराब हो जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही लगभग 23.8 अरब मूल्य के नोट नष्ट किए गए, जो पिछले वर्ष 21.24 अरब की तुलना में 12.3 प्रतिशत अधिक है। नष्ट किए गए नोटों में 500 और 100 रुपए के नोटों की संख्या सबसे अधिक थी। इतनी बड़ी मात्रा में करेंसी नोटों को नष्ट करना और उनके स्थान पर नए नोट छापना सरकारी खर्च पर भारी वित्तीय बोझ डालता है। वित्त वर्ष 2024-25 में नोट छापने की लागत 6,372.8 करोड़ रुपए थी, जो पिछले वर्ष (5,101.4 करोड़) की तुलना में काफी अधिक है। प्लास्टिक नोटों की शुरुआत से इस खर्च में काफी कमी आने की उम्मीद है। डिजिटल भुगतान के बावजूद नकदी की बढ़ती मांग: यह एक विरोधाभास है कि देश में यूपीआई और अन्य डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ रहे हैं, फिर भी नकदी (कैश) की मांग में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि यह बढ़ रही है।

भारत में तेजी से बढ रही 7-सीटर फैमिली एसयूवी की मांग

नई दिल्ली

फैमिली के साथ सैर सपाटा करने आदत के कारण भारतीय बाजार में 7-सीटर फैमिली एसयूवी की मांग तेजी से बढ़ रही है। 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ और हुंडई अल्कज़ार मजबूत विकल्प बनकर उभरी हैं। महिंद्रा की नई एक्सयूवी 7एक्सओ की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 13.66 लाख रुपये है, जबकि हुंडई अल्कज़ार 14.50 लाख रुपये से शुरू होती है। दोनों एसयूवी डिजाइन, फीचर्स, कम्फर्ट और परफार्मेंस के मामले में दमदार पैकेज पेश करती हैं।

महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ का डिजाइन ज्यादा बोल्ड और मस्कुलर है। इसमें नया फ्रंट ग्रिल, एलईडी डीआरएल, कनेक्टेड टेललाइट्स और बड़े व्हील्स दिए गए हैं, जो इसे दमदार रोड प्रेजेंस देते हैं। वहीं हुंडई अल्कज़ार का लुक ज्यादा प्रीमियम और एलिगेंट है। इसमें सिग्नेचर लाइटिंग, क्रोम एलिमेंट्स और स्मूथ बाडी लाइन्स मिलती हैं। इंटीरियर की बात करें तो एक्सयूवी 7एक्सओ में डुअल 10.25 इंच स्क्रीन, वेंटिलेटेड सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ और बड़ा केबिन मिलता है। दूसरी ओर अल्कज़ार का केबिन ज्यादा रिफाइंड और लग्जरी फील देता है। इसमें 6-सीटर कैप्टन सीट विकल्प भी उपलब्ध है। फीचर्स और सेफ्टी में दोनों एसयूवी काफी आधुनिक हैं। एक्सयूवी 7एक्सओ में लेवल-2 एडीएएस, 540 डिग्री कैमरा और 5-स्टार भारत एनकैप रेटिंग मिलती है।

क्रेटा और सेल्टोस को हाइब्रिड तकनीक से लांच की तैयारी

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी हुंडई और किआ अपनी लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा और सेल्टोस को हाइब्रिड तकनीक के साथ लान्च करने की तैयारी में हैं। इनका मुकाबला बाजार में पहले से मौजूद मारुति ग्रैंड विटारा और टोयोटा हाइराइडर जैसी हाइब्रिड एसयूवी से होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक सबसे पहले किआ सेल्टोस हाइब्रिड भारतीय बाजार में उतारी जाएगी, जबकि इसके बाद हुंडई क्रेटा हाइब्रिड लान्च होगी। जानकारी के अनुसार, दोनों कंपनियां इन नई एसयूवी की कीमत को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए अधिकतर पार्ट्स का निर्माण भारत में ही करेंगी। दोनों गाड़ियों में समान हाइब्रिड पावरट्रेन मिलने की संभावना है। इसमें 1.5 लीटर का चार सिलेंडर पेट्रोल इंजन और एक इलेक्ट्रिक मोटर का संयोजन दिया जाएगा। आटो विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों हाइब्रिड एसयूवी करीब 25 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज दे सकती हैं, जिससे ईंधन खर्च में बड़ी बचत होगी। हुंडई क्रेटा हाइब्रिड का डिजाइन कंपनी के नए क्रेटर कान्सेप्ट से प्रेरित बताया जा रहा है। नई क्रेटा मौजूदा माडल की तुलना में ज्यादा बड़ी और मस्कुलर दिखाई दे सकती है। इसकी लंबाई करीब 4.5 मीटर और व्हीलबेस लगभग 2.7 मीटर रहने की संभावना है। कंपनी क्रेटा के आकार में बदलाव कर अपने लाइनअप में नई काम्पैक्ट एसयूवी बायोन के लिए भी जगह तैयार कर रही है। फीचर्स की बात करें तो क्रेटा हाइब्रिड में आधुनिक तकनीक से लैस प्रीमियम इंटीरियर देखने को मिल सकता है। इसमें 9.9 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 12.9 इंच की बड़ी टचस्क्रीन और मेमोरी फंक्शन वाली पावर ड्राइवर सीट जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें 6 एयरबैग और 20 से ज्यादा एडास फीचर्स मिलने की संभावना है।

नॉर्वे चेस : गुकेश ने मनाया अपना 20वां जन्मदिन, शतरंज छोड़ नाविक बने ग्रैंडमास्टर्स

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे चेस 2026 के विश्राम के दिन शुक्रवार को दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों ने बिसात और मोहरों से दूर हटकर ओस्लोफ्योर्ड की लहरों पर रोमांचक सेलिंग रेस का आनंद लिया। इस खास आयोजन के दौरान मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने अपना 20वां जन्मदिन भी मनाया, जिससे दिन और भी यादगार बन गया।

नार्वे चेस की परंपरागत गतिविधियों के तहत आयोजित इस विशेष सेलिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को दो टीमों में बांटा गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को मानसिक दबाव से राहत देना और टीमवर्क एवं मनोरंजन का अनुभव कराना था।

इस कार्यक्रम में भारत के ग्रैंडमास्टर्स डी. गुकेश, दिव्या देशमुख, आर. प्रज्ञानानंद और कोनेरू हम्पी के अलावा नार्वे के दिग्गज मैग्नस कार्लसन, विसेंट कीमर, वेस्ली सो, अन्ना मुज़ीचुक, बिबिसारा अस्साउबायेवा, झू जिनर और अन्य शीर्ष खिलाड़ी शामिल हुए।

नार्वे चेस खेलों की यह परंपरा वर्षों से टूर्नामेंट का खास हिस्सा रही है। इसके तहत खिलाड़ियों को शतरंज की गहन तैयारियों और मुकाबलों से कुछ समय के लिए दूर ले जाकर अलग-अलग गतिविधियों में शामिल किया जाता है। पिछले वर्षों में खिलाड़ियों ने कुकिंग प्रतियोगिता, ट्रैक्टर चलाना, गाय दुहना, तीरंदाजी, फेंसिंग और चेस काउबाय चैलेंज जैसी अनोखी गतिविधियों में हिस्सा लिया था।

इस बार का आयोजन इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि 13 वर्षों बाद नार्वे चेस का आयोजन ओस्लो में हो रहा है, जबकि इससे पहले यह लंबे समय तक स्टावेंजर में आयोजित होता रहा था। विश्राम दिवस की गतिविधियों में जावोखिर सिंदारोव भी शामिल रहे, जो भविष्य में विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में गुकेश को चुनौती देने वाले हैं। खिलाड़ियों के बीच दोस्ताना माहौल और आपसी सौहार्द इस आयोजन की खास पहचान रहा।

दिन के कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा तब रहा जब भारतीय ग्रैंडमास्टर्स और नार्वे चेस प्रतिनिधिमंडल ने ओस्लो स्थित भारत के राजदूत से मुलाकात की। राजदूत ने खिलाड़ियों और अधिकारियों के सम्मान में एक विशेष संवाद सत्र आयोजित किया, जिसमें भारत और नार्वे के बीच खेल और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

अब विश्राम दिवस के बाद सभी खिलाड़ियों का ध्यान फिर से शतरंज की बिसात पर लौटेगा, जहां नार्वे चेस 2026 के आगामी दौरों में खिताबी मुकाबला और अधिक रोमांचक होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल फाइनल के कारण हवाई किराए आसमान पर, होटलों में बंपर बुकिंग

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में गत विजेता विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना खिताब बरकरार रखने उतरेगी। ऐसे में मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साहत है। प्रशंसकों के उत्साहत के कारण ही यहां की उड़ानों के साथ ही होटलों का किराया भी कई गुना बढ़ गया है। प्रशंसक आनलाइन ट्रैवल प्लेटफार्म्स पर पुछताछ कर रहे हैं। जहां आयोजन स्थल के आसपास के होटलों और उड़ानों की बुकिंग में रिकार्ड उछाल आया है। स्तरां भी इस उत्साह को भुनाने के लिए विभिन्न डील्स, डिस्काउंट्स और लाइव स्क्रीनिंग के जरिये लोगों को लुभा रहे हैं। आनलाइन ट्रिप ट्रैवल प्लेटफार्म पर उड़ान खोज और अंतिम समय की होटल बुकिंग में नियमित सप्ताहांत यात्रा चक्र की तुलना में दो अंकों की वृद्धि देखी गई है। आनलाइन ट्रैवल प्लेटफार्म पर लोग अहमदाबाद से लेकर दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलूरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों से जानकारी मांग रहे हैं। इसी कारण होटल बुकिंग में तेज इजाफा हुआ है और कुल बुकिंग मूल्य में भी शानदार बढ़ोतरी हुई है। यह यात्रियों की मजबूत मांग का संकेत है, क्योंकि लोग उच्च मूल्य वाली श्रेणी और प्रीमियम जगहों का चुनाव कर रहे हैं। फेडरेशन आफ एसोसिएशन्स इन इंडियन टूरिज्म ऐंड हास्पिटैलिटी (फेथ) के अनुसार, मुंबई-अहमदाबाद हवाई किराये अपने सामान्य स्तर 3,000-5,000 रुपये से बढ़कर करीब 13,000 से 15,000 रुपये तक पहुंच गए हैं। वहीं दिल्ली-अहमदाबाद का किराया भी 4,000-5,000 रुपये से बढ़कर 14,000 रुपये तक जा पहुंचा है। सितारा श्रेणी के होटलों के किराये में 30 से 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। ऐसे बड़े आयोजनों पर एयरलाइंस, होटल और ट्रैवल प्लेटफार्म स्वाभाविक रूप से डायनेमिक प्राइसिंग, बंडल्ड स्टे विकल्प और इवेंट-आधारित यात्रा आफर्स उपलब्ध कराते हैं जिससे मांग को पूरा किया जा सके।

न्यूजीलैंड ने एकमात्र टेस्ट मैच में आयरलैंड को 79 रनों से हराया, प्लेयर आफ द मैच : ब्लंडेल

बेलफास्ट। न्यूजीलैंड की टीम ने यहां हुए एकमात्र टेस्ट मुकाबले में आयरलैंड को 79 रनों से हराया।

कीवी टीम ने यह मुकाबला केवल तीन दिनों अंदर ही जीत लिया। इस मैच में मेहमान कीवी टीम की जीत मे बल्लेबाज टाम ब्लंडेल और युवा आलराउंडर रचिन रवींद्र की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 490 रन पर घोषित की। ब्लंडेल ने सबसे अधिक 186 रन बनाये जबकि रचिन ने 121 रन बनाए। वहीं डीन फाक्सक्राफ्ट 98 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। आयरलैंड की ओर से मार्क अडेयर ने 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम पहली पारी में केवल 179 रन ही बना पायी। एंडी मैकब्रिन ने सबसे अधिक 73 रन बनाये जबकि मार्क अडेयर ने 40 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे। पांच बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खेल पाये। वहीं कीवी टीम की ओर सेयुवा तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ ने 40 रन देकर 6 विकेट लिए। पहली पारी में 311 रन की बड़ी बढ़त लेने के बाद न्यूजीलैंड ने आयरलैंड को फालोआन दिया। अपनी दूसरी पारी में भी आयरलैंड की टीम नाकाम और 232 रन ही बना पायी। स्टिफन डोहने ने 57 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज लार्कन टुकर ने 50 रन की रन जबकि मार्क अडेयर 44 रन बनाये।

रायल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन, कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही

राजस्थान रायल्स की टीम बाहर हो गयी। रायल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है। वैभव ने अपने बल पर रायल्स को यहां तक पहुंचाया। नाकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए।

फ्रेंच ओपन में बड़ा उलटफेर : 19 वर्षीय जोआओ फोन्सेका ने नोवाक जोकोविच को किया बाहर

पेरिस

फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेरों का सिलसिला जारी है। विश्व टेनिस के दिग्गज और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच का रिकार्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना शुक्रवार को टूट गया, जब उन्हें तीसरे दौर में ब्राजील के 19 वर्षीय युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। करीब पांच घंटे तक चले इस मुकाबले में जीत दर्ज कर फोन्सेका ने इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड स्लैम मुकाबले में जोकोविच को हराने वाले पहले किशोर खिलाड़ी बन गए। इस जीत के साथ उन्होंने खुद को भविष्य के बड़े दावेदारों में शामिल कर लिया है।

जोकोविच की हार का मतलब है कि 39 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी को अब भी मार्गरेट कोर्ट के 25 ग्रैंड स्लैम खिताबों के रिकार्ड को पीछे छोड़ने का इंतजार करना पड़ेगा। एक दिन पहले ही विश्व नंबर एक यानिक सिनर के बाहर होने के बाद यह परिणाम पेरिस में खिताब की दौड़ को और खुला बना गया है।

मैच के बाद भावुक फोन्सेका ने कहा, मुझे सच कहूं तो विश्वास नहीं था कि मैं यह मुकाबला जीत सकता हूं। मैं सिर्फ कोर्ट पर जाकर खेल का आनंद लेना चाहता था। जोकोविच जैसे महान खिलाड़ी के खिलाफ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं बेहद खुश हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं हर गेंद को पूरी ताकत से मारने की कोशिश कर रहा था। जोकोविच शायद ही कोई गलती करते हैं और आज भी उनकी फिटनेस अद्भुत है। मैच के अंत में वह मुझसे ज्यादा फिट नजर आ रहे थे।

फोन्सेका ने यह ऐतिहासिक जीत अपनी मां को समर्पित की, जिनका उसी दिन जन्मदिन था और वे दर्शक दीर्घा में मौजूद थीं।

शुरुआती दो सेटों में जोकोविच का दबदबा

एक सप्ताह पहले ही 39 वर्ष के हुए जोकोविच ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहले सेट में शुरुआती छह में से पांच गेम जीतकर युवा प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बना दिया। शानदार लाब, दमदार फोरहैंड और बेहतरीन ड्राप शाट्स की मदद से उन्होंने पहला सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट में भी फोन्सेका ने संघर्ष किया, लेकिन पांचवें गेम में सर्विस गंवाने के बाद जोकोविच ने बढ़त मजबूत कर ली और सेट जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

फोन्सेका की जबरदस्त वापसी

दो सेट पीछे होने के बावजूद फोन्सेका ने हार नहीं मानी। तीसरे सेट में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए वापसी की और एक सेट अपने नाम किया।

चौथे सेट में भी ब्राजीलियाई खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने शुरुआती ब्रेक हासिल किया और लगातार आक्रामक शाट्स खेलते हुए मुकाबला दो-दो सेट की बराबरी पर पहुंचा दिया। निर्णायक पांचवें सेट में जोकोविच ने 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन फोन्सेका ने धैर्य और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए वापसी की। 5-5 की बराबरी के बाद उन्होंने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर 6-5 की बढ़त बनाई और फिर लगातार तीन ऐस लगाकर मैच अपने नाम कर लिया।

फोन्सेका ने मुस्कुराते हुए कहा

मुझे खुद भी विश्वास नहीं हो रहा कि अंत में मैंने लगातार तीन ऐस लगाए। ऐसा मैंने पहले कभी नहीं किया था। उस समय मैं खुद को जान इस्नर जैसा महसूस कर रहा था।

पहली बार मिलेगा नया ग्रैंड स्लैम चैंपियन

फ्रेंच ओपन 2026 में अब नया पुरुष एकल चैंपियन मिलना तय है। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ कलाई की चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके, जबकि विश्व नंबर एक यानिक सिनर और अब नोवाक जोकोविच भी बाहर हो चुके हैं। फोन्सेका अब अगले दौर में टामी पाल और कैस्पर रूड के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे।

आईपीएल 2026 : आरेंज कैप पर सूर्यवंशी का कब्जा, गेंदबाजों में रबाडा सबसे आगे

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दूसरे क्वालिफायर में भले ही राजस्थान रायल्स का सफर समाप्त हो गया, लेकिन 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से आरेंज कैप की दौड़ में बड़ा अंतर बना लिया। दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा पर्पल कैप की रेस में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

आरेंज कैप की दौड़ में सूर्यवंशी सबसे आगे - गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 में वैभव सूर्यवंशी ने 47 गेंदों में 96 रनों की विस्फोटक पारी खेली। हालांकि वह शतक से चूक गए, लेकिन इस पारी के साथ उन्होंने सीजन का समापन 776 रन के साथ किया। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट 237.30 रहा, जो किसी भी बल्लेबाज के लिए असाधारण माना जा रहा है। सूर्यवंशी ने इस सीजन कई रिकार्ड तोड़े और लगातार बड़े स्कोर बनाकर खुद को आईपीएल का सबसे बड़ा युवा सितारा साबित किया।

शुभमन गिल और साई सुदर्शन के पास अभी मौका - गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने क्वालिफायर-2 में 53 गेंदों पर 104 रनों की कप्तानी पारी खेली। इस शतक के साथ उनके सीजन में कुल रन 722 हो गए हैं। वह सूर्यवंशी से 54 रन पीछे हैं, लेकिन उनके पास फाइनल मुकाबला खेलने का अवसर है। वहीं सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 32 गेंदों में 58 रन बनाए और अपने कुल रन 710 तक पहुंचा दिए। सुदर्शन भी फाइनल में बड़ी पारी खेलकर आरेंज कैप की दौड़ को रोचक बना सकते हैं। हालांकि रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रन के साथ पीछे हैं और उनके लिए आरेंज कैप जीतना अब बेहद कठिन नजर आ रहा है।

आरेंज कैप सूची

- 1. वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रायल्स) - 776 रन
- 2. शुभमन गिल (गुजरात टाइटंस) - 722 रन*
- 3. साई सुदर्शन (गुजरात टाइटंस) - 710 रन*

(*फाइनल खेलना बाकी)

पर्पल कैप पर रबाडा का कब्जा

पूरे सीजन पर्पल कैप पर काबिज रहे भुवनेश्वर कुमार को आखिरकार कागिसो रबाडा ने पीछे छोड़ दिया है। क्वालिफायर-2 में रबाडा ने ध्रुव जुरेल और वैभव सूर्यवंशी के महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी कुल विकेट संख्या 28 तक पहुंचा दी। अब वह भुवनेश्वर कुमार (26 विकेट) से दो विकेट आगे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों गेंदबाज फाइनल में आमने-सामने होंगे।

आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हाकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हाकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रय आइस हाकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है। देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हाकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

अंडर-18 महिला एशिया कप: नूशीन नाज़ के दम पर भारत ने मलेशिया को 2-1 से हराया

काकामिगहारा (जापान)

भारतीय अंडर-18 महिला हाकी टीम ने अंडर-18 एशिया कप 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए अपने पहले पूल-ए मुकाबले में शनिवार को मलेशिया को 2-1 से पराजित किया। 15 वर्षीय फारवर्ड नूशीन नाज़ ने दोनों गोल दागकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। मुकाबले के पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला और कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बढ़ाया और 19वें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर को नूशीन नाज़ ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। अच्छी लय में दिख रही नूशीन यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने 28वें मिनट में एक तेज और सटीक शाट लगाकर मलेशियाई गोलकीपर को छकाया और भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके साथ ही भारत ने हाफ टाइम तक मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली। दूसरे हाफ में मलेशिया ने वापसी की कोशिश की और 41वें मिनट में नूर अजली ने गोल कर अंतर को 2-1 कर दिया। इसके बाद मलेशिया ने बराबरी हासिल करने के लिए लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कोई और मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और कुल 16 पेनल्टी कार्नर अर्जित किए। हालांकि टीम इनमें से केवल दो मौकों को गोल में बदल सकी, लेकिन नूशीन नाज़ के दोनों गोल अंततः जीत का अंतर साबित हुए। इस जीत के साथ भारत ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और फिलहाल पूल-ए में दूसरे स्थान पर है। भारत और कोरिया दोनों के तीन-तीन अंक हैं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के आधार पर कोरिया शीर्ष पर बना हुआ है। भारतीय टीम अब अपने अगले पूल मुकाबले में 31 मई 2026 को कोरिया का सामना करेगी। मुकाबला पूल की शीर्ष टीम तय करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

महिला त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला: वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 25 रन से हराया, लगातार दूसरी जीत दर्ज

डबलिन

कप्तान हेली मैथ्यूज, जैनिलिया ग्लासगो और चिनेल हेनरी की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को महिला त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला में पाकिस्तान को 25 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आयरलैंड के खिलाफ पहला मुकाबला जीतने के महज 24 घंटे बाद वेस्टइंडीज ने एक और दमदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को मुकाबले में वापसी का मौका नहीं दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज को शुरुआती झटका नहीं लगा और कप्तान हेली मैथ्यूज़ ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने केवल 20 गेंदों पर 40 रन बनाए, जिसमें नौ चौके शामिल थे।

उनके आउट होने के बाद अनुभवी स्टेफनी टेलर ने पारी को संभालते हुए 39 रन का योगदान दिया।

मध्यक्रम और डेथ ओवरों में जैनिलिया ग्लासगो तथा चिनेल हेनरी ने पाकिस्तान के गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया। ग्लासगो ने 25 गेंदों पर 42 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि हेनरी 17 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाकर लौटीं। इन पारियों की बदौलत वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले चार ओवरों में ही तीन विकेट गंवा दिए। चिनेल हेनरी ने मुनीबा अली और आयशा जफर को आउट कर पाकिस्तान को दबाव में ला दिया। हालांकि इसके बाद सायरा जबीन ने 19 गेंदों पर 30 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया। रमीम शमीम और इरम जावेद ने भी अच्छी शुरुआत की, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। निचले क्रम में आलिया रियाज़ ने 28 गेंदों पर 37 रन और कप्तान फातिमा सना ने 14 गेंदों पर 27 रन की तेज पारी खेलकर मुकाबले को रोचक बनाने की कोशिश की, लेकिन वेस्टइंडीज की गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान लक्ष्य से काफी दूर रह गया।

पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 174 रन ही बना सकी और वेस्टइंडीज ने 25 रन की जीत के साथ अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीज महिला: 20 ओवर में 199/6 (जैनिलिया ग्लासगो 42, हेली मैथ्यूज़ 40; रमीम शमीम 2/27)

पाकिस्तान महिला: 20 ओवर में 174/8 (आलिया रियाज़ 37; चिनेल हेनरी 2/13, शानिशा हेक्टर 2/21)

परिणाम: वेस्टइंडीज महिला टीम 25 रन से विजयी।

मसल्स बनाने है तो ले संतुलित आहार

मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए प्रोटीन, मिनरल्स विटामिन्स और कार्बोहाइड्रेट का बहुत महत्व होता है। इसलिए फिट रहने के लिए जिम करने वाले को न्यूट्रीशन्स से भरपूर डाइट लेनी चाहिए। मसल्स बनाने के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है। इसके अलावा प्रोटीन शेक या सप्लीमेंट्स का सहारा न लें क्योंकि इसके अधिक नुकसान हैं।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत...

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। हालांकि कई बार बुखार थकान या मौसम बदलने आदि की वजह से होता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती।

बच्चों में त्वचा संबंधी दिक्कतें

बच्चों की त्वचा इतनी नाजुक होती है कि हल्की-सी खरोंच या रैश उन्हें बहुतही परेशानी वाली स्थिति में डाल देती है। याद रखें कि नवजन्मे बच्चों में रैशेज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे रैशेज में से अधिकतर नुकसानदायक नहीं होते और कुछेक दिनों के अंतराल पर चले जाते हैं, फिर भी बच्चों की त्वचा संबंधी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

इस अपरिहार्य समस्या के कारण बच्चे को और माता-पिता को रात भर जागना पड़ सकता है। बच्चे के डाइपर वाले हिस्से की अक्सर जांच करते रहना पड़ती है। यदि वहां पर लाली महसूस हो तो तुरन्त डाइपर रैश क्रीम लगाएं और उस हिस्से को जितना संभव हो सके खुला और सूखा रखें। इस बात को तय करें कि डाइपर न तो बहुत ढीला हो और न ही इसे बच्चे को लंबे समय तक पहनाया जाए। जब जरूरत समझें तब इसे बदल दें।

मुहांसे: बच्चे के चेहरे पर दिखने वाले छोटे-छोटे मुहांसे एक बहुत ही आम समस्या है और ये कुछ ही दिनों में चले जाते है। इन पर कुछ भी लगाने से पूरी तरह परहेज करें।

बर्थ मार्क्स: बर्थ मार्क्स बच्चों में बहुत ही आम होते हैं। जब बच्चा पैदा होता है तब और जन्म के कुछ हफ्तों या महीनों तक ये निशान रह सकते हैं।

एग्जीमा: जिन बच्चों के परिवार में अस्थमा या एलर्जी की हिस्ट्री होती है, उनमें खुजली पैदा करनेवाली एग्जीमा की समस्या अधिक पाई जाती है। यह आम तौर पर चेहरे पर उभरती है परन्तु इसे अक्सर इसे कोहनियों, छाती या बांहों पर भी पैदा होते देखा जाता है। धीरे-धीरे यह सूखी और खुरदरी हो जाती है। इस किस्म के रैश आमतौर पर साबुनों, लोशनों या बच्चे के कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के एलर्जिक रिएक्शन के तौर पर भी बढ़ते हैं।

रूखी त्वचा

अधिकतर नवजन्मे बच्चे रूखी त्वचा के साथ पैदा होते हैं। उनके जन्म के कुछ दिनों बाद यह त्वचा खुद ही उतरने लगती है। यह आम तौर पर जल्दी ही रुक जाती है परन्तु इसके कारण यदि आपको चिंता हो तो किसी जच्चा-बच्चा विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

गुलाबी-लाल रंग वालधब्बे

ये हल्के गुलाबी-लाल रंग वाले धब्बे पसीने के कारण पैदा होते हैं और गर्दन, डाइपर वाले हिस्से तथा बगलों में दिखाई देते हैं। जितना संभव हो सके अपने बच्चे को कूल और सूखा रखें। उसे ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनाएं। बच्चे की त्वचा पर पाऊडर के अधिक उपयोग से बचें। बेबी पाऊडर के छोटे-छोटे दाने सांस के द्वारा बच्चे के अंदर जा सकते हैं, जिससे उन्हें असुखद महसूस हो सकता है। जब तक आपका बच्चा 4 से 6 महीने तक का न हो जाए तब तक उसके शरीर पर पाऊडर का इस्तेमाल करने से बचें।

रेयर डिजीज से बचाएं बच्चों को...

दुर्लभ बीमारियों के शिकार अक्सर छोटे और कम उम्र के बच्चे होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के शरीर में किसी भी तरह की अजीब हरकत या असाधारण व्यवहार जैसे अगर बच्चे का विकास न हो रहा हो, वह ज्यादा चिड़चिड़ा रहने लगा हो, उसे दौरे आते हों, शरीर से अजीब-सी गंध आती हो, बालों के रंग में बदलाव होने लगे, देखने में परेशानी हो, उम्र के हिसाब से उसमे विकास दिखाई न दे तो फौरन डॉक्टर से संपर्क कर आवश्यक जांचें करा लेनी चाहिए। रेयर डिजीज यानी दुर्लभ बीमारियां उन्हें माना जाता है, जो कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं, लेकिन बच्चों को लेकर हमाशा जागरूक रहने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऐसी बीमारियां 10 हजार में से छह लोगों में ही देखने को मिलती हैं। इनमें से ज्यादातर बीमारियां आनुवांशिक होती हैं। इनसे ग्रसित बच्चों में से 30 प्रतिशत बच्चे 5-7 वर्ष की उम्र से पहले ही मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास प्रभावित होता है। एक ही परिवार में कई लोगों को एक जैसा विकार हो सकता है। इसलिए इन दुर्लभ बीमारियों को जन्म के शीघ्र बाद ही पहचान कर इलाज करा लेना चाहिए। फिलहाल इन बीमारियों के इलाज के लिए जीन थैरेपी, एंजाइम थैरपी व स्टेम सेल ट्रीटमेट पर शोध किया जा रहा है। कुछ दुर्लभ बीमारियां ऐसी भी हैं जो इन दिनों बहुत देखने में आ रही हैं।

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा से ग्रस्त बच्चों में हड्डी वहां बनना शुरू हो जाती है, जहां सामान्यतया मांसपेशियां होती हैं। इसमें बच्चे के शरीर के विभिन्न हिस्सों में मांसपेशियों में गांठें दिखने लगती हैं और इसकी शुरुआत कभी-कभी छोटी चोट लगने के बाद होती है। ऐसे बच्चे 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं और बार-बार निमोनिया से ग्रसित होते हैं। इसके उपचार के लिए प्रेडनिसोलोन दवा का प्रयोग किया जाता है और बच्चे को बार-बार चोट लगने से बचाना होता है।

एकोन्ड्रोप्लेसिया

एकोन्ड्रोप्लेसिया बीमारी एक दुर्लभ बीमारी है जो 25 हजार में से किसी एक बच्चे को होती है। ऐसे बच्चों की लंबाई बहुत कम रह जाती है। इन बच्चों का चेहरा बीच से छोटा व नाक चपटी होती है। इनकी रीढ़ की हड्डी ज्यादा झुकी हुई होती है। कान में बार-बार संक्रमण का खतरा रहता है और सिर में पानी भरने की आशंका भी रहती है। इसके इलाज के लिए जीन थैरपी व सीएनपी दवा का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी मांसपेशियों की बीमारी है जो सिर्फ लड़कों में ही दिखाई देती है। इस बीमारी में एक्स क्रोमोसोम में डिस्ट्रोफिन जीन विकार हो जाता है।

इस रोग के लक्षण बच्चों में 2-3 साल के बाद दिखने लगते हैं। सबसे पहले पैरों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं फिर 10 वर्ष की उम्र तक बच्चा चलना-फिरना बंद कर देता है। ऐसे बच्चों का दिमागी व सामान्य विकास भी प्रभावित होता है। इसके लिए स्टेम सेल या जीन थैरेपी पर प्रयोग चल रहे हैं।

जन्मजात थायरॉइड की कमी

जन्मजात थायरॉइड की कमी थायरॉइड हार्मोन की कमी से होती है। इसके लक्षण है ज्यादा सोना, पीलिया, शरीर का तापमान कम होना और थकावट आदि। इसके इलाज के लिए थायरॉइड की दवाएं दी जाती हैं।

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी यह रोग बायोटिन यानी विटामिन- बी7 की कमी के कारण होता है। इसमें व्यावहारिक व दिमागी क्षमता में कमी, दौरे आना, दस्त, त्वचा रोग, बार-बार संक्रमण, शारीरिक कमजोरी व बाल झड़ना यह लक्षण पाए जाते हैं। इसका इलाज है विटामिन- बी7 दवा।

आवश्यक जांचें कराएं

नवजात शिशुओं में दुर्लभ बीमारियों का समय रहते पता लगाने के लिए विशेष जांच प्रक्रियाएं हैं। प्रसव के बाद नवजात शिशु के शरीर से खून की कुछ बूंदे फिल्टर पेपर पर ले ली जाती हैं और कई बीमारियों के लिए टेस्ट किया जाता है। इसका प्रयोग कई दुर्लभ, आनुवांशिक एवं मेटाबॉलिक डिजीज का पता लगाने के लिए किया जाता है। सभी नवजात बच्चों में जन्मजात थायरॉइड की कमी, कन्जानाइटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया, जी-6 पीडी की कमी, ग्लेक्टोसीमिया और बायोटिनीडेज की कमी की जांचें करवा लेनी चाहिए। इन सबके अलावा बच्चों में कोई भी असाधारण लक्षण देखकर तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

प्रुन बैली सिन्ड्रोम

पुन बैली सिन्ड्रोम 40 हजार में से एक बच्चे में देखने को मिलती है। यह बीमारी ज्यादातर लड़कों को होती है। इन बच्चों की मुख्य समस्या पेशाब के रास्ते में रूकावट से होती है। इनके पेट के ऊपर की मांसपेशियां पूर्णतया विकसित न होने से पेट आगे निकला होता है और इनके टेस्टीज भी पेट में होते हैं।

प्रोजिरिया

प्रोजिरिया में बचपन में ही बच्चा बूढ़ा दिखने लगता है। इस बीमारी की आशंका 80 लाख बच्चों में से किसी एक को होती है। यह बीमारी एलएमएनए जीन में बदलाव से होती है। जन्म के बाद इन बच्चों का वजन अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में कम बढ़ता है और चमड़ी मोटी हो जाती है, बाल झड़ने लगते हैं, दिखना कम हो जाता है और चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं।

त्वचा के नीचे वसा व मांसपेशियां कम हो जाती हैं। ये लक्षण 6-7 साल की उम्र तक दिखने लग जाते हैं।

इस रोग के उपचार के लिए मोरफालिनोस लोनाफार्निब, रेपामाइसिन, ग्रोथ हार्मोन आदि दवाओं का उपयोग किया जाता है लेकिन अभी इसके इलाज में पूर्णतया सफ लता नहीं मिल पाई है।

फिनाइल किटोन यूरिया

फिनाइल किटोन यूरिया एक आनुवांशिक बीमारी है। बच्चों में एंजाइम्स की कमी होने पर वह अमीनो एसिड पचा नहीं पाते और जब यह शरीर में एकत्र होता रहता है तो फिनाइल किटोन यूरिया की समस्या हो जाती है। इस बीमारी में नवजात जन्म के समय सामान्य होता है। अमीनो एसिड के जमा होने से धीरे-धीरे नवजात का विकास रूक जाता है, दिमागी कमजोरी आती है और पेशाब में गंध आने लगती है। यदि इस रोग का समय रहते पता चल जाए तो बच्चे का विकास सामान्य हो सकता है। इससे बचने के लिए अमीनो एसिड रहित विशेष प्रकार का दूध दिया जाता है। यह मार्केट में आसानी से उपलब्ध होता है।

बॉडी स्वैलिंग हटाने के लिए खाएं ये सब्जियां

शरीर में सूजन होने के बहुत सारे कारण हो करते है। वक्त रहते अगर इस पर ध्यान न दिया जाए तो यह परेशानी बहुत बढ़ सकती है। इसके बहुत से कारण हो सकते है जैसे की शरीर में खून की कमी होना,पेट की गड़बड़ी या फिर खान-पान में लापरवाही।आज हम आपको सूजन की रोकथाम के लिए कुछ खास आहार बता रहें है, जिसे आप अपनी दिनचर्या में शामिल करके इस समस्या से निजात पा करते है।

चुकंदर

इसमें विटमिन सी और फाइबर के गुण होते हैं और इसमें ऐंटिऑक्सिडेंट पाया जाता है।यह सूजन कम करने में मददगार है।

अदरक और हल्दी

यह हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को बढ़ाता हैं और रोगों से लड़ने में मदद करता हैं।

टमाटर

टमाटर में लाइकोपेन होता है जो फेफड़ों और पूरे शरीर की सवैलिंग को रोकता है।

लो फैट भोजन

कैल्शियम और विटमिन डी से वाले आहार लाभदायक होते है।

सोया

सोया खाने से सूजन कम हो जाती है। अपनी रोजाना की डाइट में सोया मिल्क और टोफू शामिल करना चाहिए।

सूखे मेवे

बादाम और अखरोट में बहुत ज्यादा फाइबर, कैल्शियम और विटमिन ई पाया जाता है जो शरीर को सूजन से बचाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां ब्रोकली, पत्तागोभी, पालक काफी लाभदायक होते है।

साबुत अनाज

साबुत अनाज में फाइबर काफी मात्रा में होता है। यह शरीर की सूजन कम करने में मदद करता है। साबुत अनाज के तौर पर आप, चावल, बाजरा, वीट ब्रेड भी खा सकते हैं।

मछली

मछली में ओमेगा 3 फैटी ऐसिड पाया पाया जाता है। जिससे शरीर की सूजन काफी कम रहती है।

ये बीमारियां बन सकती हैं ब्रेन हेम्रेज का कारण

बीमारी जो भी हो, उसकी सही समय पर पहचान और उपचार होना चाहिए। लेकिन कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जो अगर सही समय पर पहचान या उपचारित ना की जाएं तो जानलेवा साबित हो सकती हैं। ऐसी ही कुछ बीमारियां हैं जो दबे पाओं शरीर में घर कर लेती हैं और एक दिन ब्रेन हेम्रेज का कारण बन जाती हैं। इन्हें साइलेंट किलर डिजीज बी कहा जाता है। इन बीमारियों से हार्ट अटैक, ब्रेन हेम्रेज के साथ अंधे होने की तक की आशंका रहती है।

डायबिटीज

आमतौर पर यह बीमारी किसी मनुष्य को दो रूपों में परेशान करती है, टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज। टाइप-1 डायबिटीज में शरीर के अंदर इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। वहीं टाइप-2 डायबिटीज में शरीर बने हुए इंसुलिन का ठीक से प्रयोग कर पाने में असफल हो जाता है। लगभग 90 प्रतिशत लोग टाइप-2 डायबिटीज के शिकार होते हैं।

प्रमुख कारण व लक्षण

डायबिटीज के मुख्य कारणों में आनुवांशिक कारण, शारीरिक श्रम की कमी, अधिक कार्बोहाइड्रेटयुक्त भोजन का सेवन, अधिकांश समय घर के भीतर ही रहना आदि हैं। इसके लक्षणों में तेजी से घटता वजन, थकान, अत्यधिक प्यास लगना, घाव जल्दी न भरना, पैरों में झनझनाहट होना, आंखों में धुंधलापन आदि शामिल होते हैं।

क्या हैं खतरे

इस बीमारी के गंभीर होने की स्थिति में आंखों में अंधापन, दिमाग को लकवा, किडनी फेल्यॉर, आंखों में अंधापन, हृदय संबंधी बीमारियां आदि का खतरा होता है।

रोग के मुताबिक होता इलाज

मरीज के रोग की स्थिति व गंभीरता के हिसाब उसे दवाएं व इंसुलिन के इंजेक्शन दिए जाते हैं। साथ ही जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव की सलाह दी जाती है।

क्या है बचाव

40 साल की आयु हो जाने के बाद समय-समय पर चिकित्सा जांच अवश्य कराएं। संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें व टहलें। नियमित व्यायाम जरूरी डायबिटीज से बचने व इससे डील करने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर के दो मुख्य कारण होते हैं। पहला प्राइमरी, जिसमें समस्या या तो आनुवांशिक कारणों से होती है या फिर तनाव के कारण। लगभग 90 प्रतिशत लोगों में यह बीमारी प्राइमरी कारणों से ही होती है। सकेंडरी कारण में, किसी अन्य अंग के विकार के कारण व्यक्ति हाई ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है। हालांकि ऐसा केवल 10 प्रतिशत लोगों में देखा जाता है। इस रोग के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं।

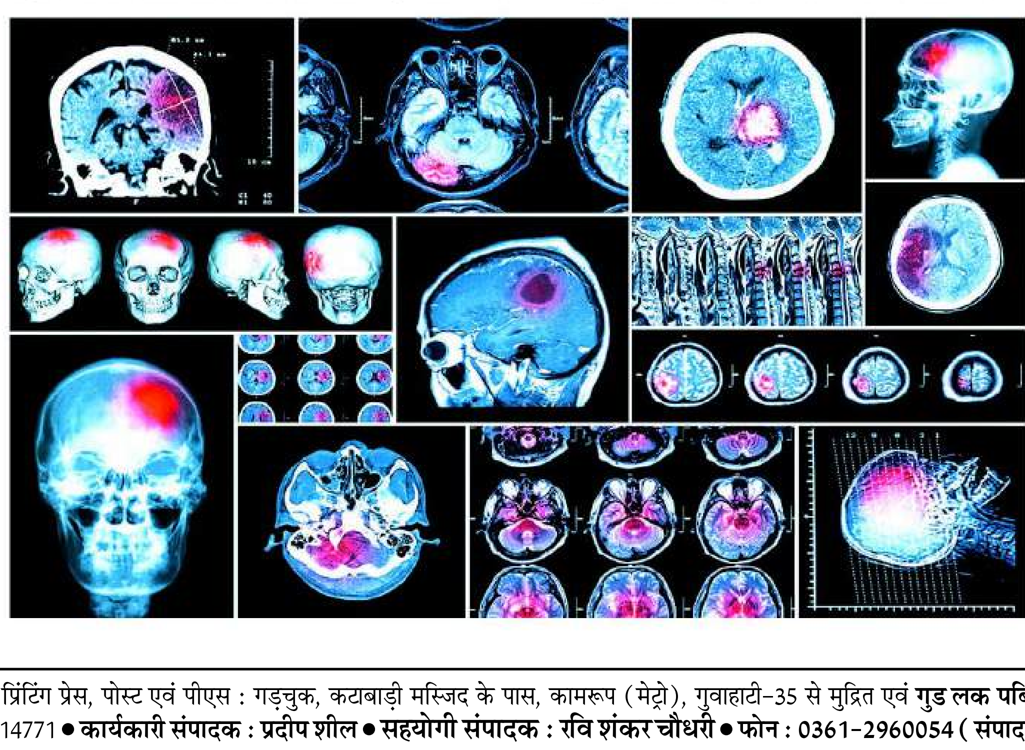

क्या खतरे होते हैं

इस रोग के गंभीर मामलो में ब्रेन हेम्रेज, हार्ट अटैक, किडनी फेल्यॉर, आंखें खराब होने वाला लकवा आदि होने की आशंका होती है।

क्या है इलाज

मरीज की जांच आदि कर फैमिली हिस्ट्री, उम्र, जुड़ी हुई बीमारियां व शारीरिक प्रकृति देखकर रोगी दवा दी जाती है। और जीवनशैली से जुड़े जरूरी बदलाव करने की सलाह दी जाती है।

कैसे करें बचाव

प्रतिदिन 5 ग्राम से अधिक नमक का सेवन न करें, अधिक चिकनाईयुक्त पदार्थ न खाएं, घी व नॉनवेज, तेज मसालों और फास्ट फूड आदि से परहेज करें। फल व सलाद को डाइट में शामिल करें। व्यायाम व मेडिटेशन को अपनी दैनिक क्रिया बनाएं।

उपरोक्त के अलावा थायरॉइड का बिगड़ा रूप भी ब्रेन हेम्रेज व अन्य गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। बदलती जीवनशैली और शरीर में एंटीबॉडीज बनने से यह रोग होता है। बदलती जीवनशैली इसका मुख्य कारण है, अतः इससे बचने के लिए खान-पान व दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव करें।

रेसिपी

वालनट ब्राउनिज

सामग्री

1/2 कप (100 ग्राम) मक्खन, 175 ग्राम ब्राउन शुगर, 2 अंडे, 1 टी स्पून वनीला एसेंस या रम, 1/2 कप मैदा, 1/5 टी स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 कप कोको पाउडर, 75 ग्राम अखरोट के छोटे-छोटे टुकड़े।

विधि

मक्खन को धीमी आंच पर पिघलाएं। फिर उसमें ब्राउन शुगर डालकर लकड़ी के चम्मच से अच्छी तरह मिलाएं। एक अंडा डालकर दोबारा अच्छी तरह मिलाएं। दूसरा अंडा डालकर फिर से मिलाएं। 1 टी स्पून वनीला एसेंस या 1 टी स्पून रम मिलाएं। मैदे में बेकिंग पाउडर और कोको पाउडर मिलाएं। 2 टेबल स्पून अखरोट हटाकर अलग रखें और बचे हुए अखरोट मैदे में मिला दें। फिर मैदे को मक्खन मिश्रण में मिलाएं। अब मैदा मिश्रण को चिकनाई लगी मध्यम आकार की ट्रे या 8 इंच चौकोर टिन मे डालकर 1 इंच मोटी परत बिछाएं। बचे हुए अखरोट उसके ऊपर डालें। फिर 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म किए हुए अवन में आधा घंटे बेक करें। ठंडा करके चौकोर टुकड़ों में काटकर सर्व करें।

ऑरेंज लेमन कसटर्ड

सामग्री

3 बड़े चम्मच लेमन कस्टर्ड पाउडर, आधा कप चीनी, 750 मिली दूध, एक संतरा छीला हुआ, 8-10 स्ट्रॉबेरी, 2 कीवी फ्रूट्स कटे हुए, एक मौसमी छीली हुई, 1 चम्मच पिसी चीनी, 1 छोटा चम्मच नीबू का रस, 1 चम्मच ऑरेंज कैंडी।

विधि

कस्टर्ड पाउडर को आधा कप ठंडे दूध में घोल लें। बाकी दूध को चीनी के साथ उबालें। उबलते दूध में कस्टर्ड पाउडर डालकर हलकी आंच पर लगातार चलाते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं। ठंडा करने के लिए एक तरफ रखें। अब इसमें संतरा डालें। कटे हुए कीवी व स्ट्रॉबेरी में पिसी चीनी व नीबू का रस मिलाएं। ठंडे फलों को 4 ग्लासों में डालकर ऊपर से तैयार कस्टर्ड से भरें। ऊपर से ऑरेंज कैंडी व छोटे कटे स्ट्रॉबेरी व कीवी से सजाकर फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। ठंडा-ठंडा सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)